Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 243
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

# मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-बुधवार ,31 दिसम्बर 2025

लखनऊ, प्रयागराज ,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 यूपी में फिर बढ़ी एसआईआर की समय सीमा

4 उन्नाव पीड़िता को थोड़ी राहत

5 कौन हैं खुशी मुखर्जी जिन्होंने सूर्यकुमार यादव पर लगाया आरोप?

# एआई और डेटा में नवाचार के नए मापदंड स्थापित करने के लिए याद किया जाएगा साल 2025 : योगी

**लखनऊ,।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को वर्ष 2026 को राज्य के लिए एक अहम साल बताते हुए कहा कि वर्ष 2025 को टेक्नोलॉजी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डेटा-संचालित नवाचार में नए मानक स्थापित करने के लिए याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे वर्ष 2026 के लिए एक विशेष संकल्प लें और अपने आसपास पांच बच्चों को कंप्यूटर और एआई के विषय में जागरूक करें। मुख्यमंत्री ने योगी की पातीश शीर्षक से पोस्ट की गई अपील में कहा, यह आंग्ल वर्ष 2026 में प्रवेश का समय है। 2025 का वर्ष टेक्नोलॉजी, एआई व डेटा में नवाचार के नए मापदंड स्थापित करने के लिए स्मरण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश भविष्योन्मुखी रही है। उन्होंने अपनी चिट्ठी में आगे कहा, निवेश तभी सुरक्षित रह सकता

विकास के नए मानक गढ़ रहा है। प्रदेश के डिजिटल भविष्य को दिशा देने और निवेश का केंद्र बनाने में सरकार को आशातीत सफलता मिल है, जब समाज और राज्य सुरक्षित हों। प्रदेश में सुशासन के राज ने विश्व भर में ब्रांड यूपी को सशक्त किया है। उत्तर प्रदेश अब निवेशकों के विश्वास का राज्य बन गया है। आदित्यनाथ ने एआई तथा अन्य क्षेत्रों में अपनी सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा, लखनऊ और नोएडा में एआई सिटी बसाने की तैयारी है। जेवर में 3,700 करोड़ रुपये से सेमीकंडक्टर इकाई का निर्माण हो रहा है। स्वदेशी सेंटर, सुरक्षित डेटा को ध्यान में रखकर बनी डेटा सेंटर नीति की सफलता दिखने लगी है। पांच हाइपरस्केल डेटा सेंटर पार्क का व्यावसायिक उपयोग प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने कहा, डेटा सेंटर क्षेत्र में 30 हजार करोड़ के निवेश का लक्ष्य है। नौ शहरों में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क स्थापित किए गए हैं। ड्रोन, रोबोटिक्स और मोबाइल उत्पादन में भी हम नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। एआई प्रज्ञाश के माध्यम से 10 लाख नागरिकों को एआई प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हजारों नई नौकरियां सृजित हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील करते हुए कहा, मैं चाहूंगा कि मेरे युवा साथी वर्ष 2026 के लिए एक विशेष संकल्प लें। आप अपने आसपास पांच बच्चों को कंप्यूटर और एआई के विषय में जागरूक करें। हर सप्ताह कम से कम एक घंटा ज्ञानदान के लिए निकालें। उन्होंने कहा, सरकार और आपका प्रयास संयुक्त रूप से न केवल विकसित उत्तर प्रदेश के सपने को पूरा करेगा, अपितु उत्तर प्रदेश को विज्ञान-प्रौद्योगिकी की वैश्विक राजधानी के रूप में स्थापित करने में भी सहायक होगा।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बड़ा हादसा

# खाई में गिरी बस, सात यात्रियों की मौत

**देहरादून :** उत्तराखंड में अल्मोड़ा जिले के भिकियासैण क्षेत्र में विनायक जिले के रामनगर जा रही बस भिकियासैंण से छह किलोमीटर पहले

के पास एक बस के मंगलवार को खाई में गिर जाने से उसमें सवार सात यात्रियों की मौत हो गयी जबकि एक दर्जन अन्य यात्री घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बस दुर्घटना पर गहरा दुख जताया है। अल्मोड़ा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पिंचा ने बताया कि हादसा उस समय हुआ जब यात्रियों को लेकर अल्मोड़ा जिले के द्वाराहाट से नैनीताल अनियंत्रित होकर खाई में गिर गयी। उन्होंने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीमें मौके पर पहुंची तथा बचाव एवं राहत कार्य चलाया। पिंचा ने बताया कि दुर्घटना में छह व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि एक अन्य ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ा । उन्होंने बताया कि हादसे में चालक सहित 12 लोग घायल हो गए जिन्हें खाई से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के वक्त बस में 18-19 यात्री सवार थे। मुख्यमंत्री धामी ने बस दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए ईश्वर से हादसे में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति तथा उनके शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। यहां जारी एक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि हादसे में घायल यात्रियों को जिला प्रशासन द्वारा नजदीकी अस्पतालों में भर्ती किया गया है तथा गंभीर रूप से घायलों को बेहतर उपचार हेतु उच्च चिकित्सा केंद्रों में रेफर किया गया है। उन्होंने कहा, ईश्वर से सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं । इस पूरे प्रकरण की सतत निगरानी की जा रही है और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों से निरंतर संपर्क में हूं ।

## सार संक्षेप

### एअर इंडिया एक्सप्रेस के पायलट ने यात्री से की मारपीट, जांच के बाद हुई गिरफ्तारी

**नयी दिल्ली:** दिल्ली पुलिस ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर एक यात्री पर हमला करने के आरोप में एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक ऑफ-ड्यूटी पायलट को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि कैप्टन वीरेंद्र सेजवाल जांच में शामिल हुए और अधिकारी ने उनसे पूछताछ की थी। एक बयान में कहा गया, मामला दर्ज होने के बाद जांच प्रक्रिया के दौरान, संबंधित सीसीटीवी फुटेज एकत्र किए गए और बयान दर्ज किए गए। आरोपी को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।सेजवाल के खिलाफ 19 दिसंबर को टर्मिनल-1 की सुरक्षा चौकी के पास हुई हिंसा के संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 115 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 126 (गलत तरीके से रोकना) और 351 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

### दिल्ली एयरपोर्ट पर कोहरे का कहर, सैकड़ों फ्लाइट्स कैंसल, यात्री परेशान

**नयी दिल्ली:** दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर घने कोहरे के कारण मंगलवार को 100 से अधिक उड़ानें रद्द रहीं और कम से कम 200 उड़ानों में देरी होने की सूचना है। दिल्ली हवाई अड्डे की वेबसाइट के अनुसार, सुबह आठ बजे तक विभिन्न एयरलाइंस की यहां से जाने वाली 50 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ी। इसके अलावा, दूसरे शहरों से यहां आने वाली भी लगभग इतनी ही उड़ानें रद्द रहीं। इसके अलावा 200 से अधिक उड़ानों में देरी होने की खबर है। दिल्ली हवाई अड्डे ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बताया कि सोमवार रात 10 बजे के बाद से ही कैट-3 की प्रक्रिया के तहत उड़ानों का परिचालन शुरू कर दिया गया था। रात दो बजे के बाद कोहरा छांटना शुरू हुआ लेकिन उसका असर सुबह तक जारी रहा। कैट-3 की प्रक्रिया के दौरान जो विमान और चालक दल के सदस्य कैट-3 के लिए योग्य हैं वही लैंडिंग और टेकऑफ कर सकते हैं। कैट-3 उपकरण समर्थित लैंडिंग और टेकऑफ की सबसे उन्नत सुविधा है जिसका इस्तेमाल बेहद घने कोहरे की स्थिति में किया जाता है। विमान सेवा कंपनियों ने भी यात्रियों को परामर्श जारी करते हुए एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति के बारे में पता करने की सलाह दी है।

# प्रधानमंत्री ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को किया नमन

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने याद दिलाया कि ठीक 82 वर्ष पहले आज ही के दिन, यानी 30 दिसंबर 1943 को, नेताजी ने अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर में साहस और पराक्रम के साथ भारतीय तिरंगा फहराया था। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, ₹आज ही के दिन 30 दिसंबर, 1943 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने पोर्ट ब्लेयर में साहस और पराक्रम के साथ तिरंगा फहराया था। वह क्षण हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल आकांक्षा से नहीं, बल्कि सामर्थ्य, परिश्रम, न्याय और संगठित संकल्प से आकार लेती है। आज का सुभाषित इसी भाव को अभिव्यक्त करने वाला है। इसके साथ उन्होंने एक संस्कृत सुभाषित साझा कियाः सामर्थ्यमूलं स्वातन्त्र्यं श्रममूलं च वैभवम्। न्यायमूलं सुराज्यं स्यात् सङ्घमूलं महाबलम् ॥ इसका अर्थ है कि स्वतंत्रता की जड़ सामर्थ्य में है, वैभव की जड़ परिश्रम में, अच्छे शासन की जड़ न्याय में और महान शक्ति की जड़ संगठन में है। उल्लेखनीय है कि यह ऐतिहासिक घटना द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुई थी, जब जापानी सेना की मदद से नेताजी की आजाद हिंद फौज ने अंडमान पर कब्जा किया था और वहां तिरंगा फहराकर इसे ब्रिटिश शासन से मुक्त भारतीय क्षेत्र घोषित किया गया था।

जन सांस्कृतिक समागम में बोलीं राष्ट्रपति मुर्मू

# आदिवासी समुदाय के विकास के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण

**गुमला :** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आदिवासी समुदाय के विकास के लिए शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए मंगलवार को शिक्षित व्यक्तियों से आग्रह किया कि वे लोगों को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने में मदद करें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आदिवासी समुदाय के समावेशी विकास के लिए काम कर रही है, ताकि विकास समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। मुर्मू ने झारखंड के गुमला जिले में अंतरराज्यीय जनसांस्कृतिक समागम समारोह-कार्तिक यात्रा (अंतरराज्यीय लोक सांस्कृतिक सभा) को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस समागम में मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्य के आदिवासी समुदायों के लोगों ने भाग लिया। मुर्मू ने कहा, शिक्षा विकास की कुंजी है। शिक्षा व्यक्तित्व को निखारती है, विकास के अवसर पैदा करती है और समावेशी विकास एवं सामाजिक न्याय का माध्यम बनती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्राप्त करने के बाद, कई लोग शहरों में बसना पसंद करते हैं और अपने गांवों में वापस नहीं लौटते हैं। राष्ट्रपति ने कहा, हमें अपने गांव जाना चाहिए और लोगों

को विभिन्न सरकारी योजनाओं तथा उनके लाभों के बारे में उन्हें जागरुक करना चाहिए। सरकार अपना काम करेगी, लेकिन शिक्षा प्राप्त करने के बाद हमें भी अपना योगदान देना चाहिए। इस समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी मौजूद थे। उन्होंने कहा, यह सरकार आदिवासी समुदाय के समावेशी विकास में विश्वास रखती है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए काम कर रही है। सरकार ने बिरसा मुंडा के नाम से कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनका लाभ न केवल आदिवासी लोगों को मिलेगा, बल्कि उन लोगों को भी मिलेगा, जो अभी भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। मुर्मू ने कहा कि सरकार मिशन मोड पर काम कर रही है ताकि उन्हें आवास, पेयजल, सड़क, स्कूल आदि जैसी सभी सुविधाएं मिल सकें। गुमला में आदिवासी विश्वविद्यालय की मांग को लेकर मुर्मू ने कहा कि वह प्रयास करेंगी, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार जनता की मांग पूरी करेगी। राष्ट्रपति रविवार रात तीन दिवसीय दौरे पर झारखंड पहुंचीं। इससे पहले दिन में, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी पत्नी एवं विधायक कल्पना सोरेन के साथ रांची के लोक भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की।

अमित शाह का ममता बनर्जी पर बड़ा आरोप

# चुनावी लाभ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दे रही हैं ममता

**कोलकाता :** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार चुनावी लाभ के लिए बांग्लादेशियों की घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है जिससे पिछले कुछ वर्षों में राज्य की जनसांख्यिकी खतरनाक रूप से बदल गई है। कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग घुसपैठ को लेकर चिंतित हैं और भाजपा 2026 में राज्य में दो-तिहाई बहुमत से सत्ता में आने के बाद इसे समाप्त करेगी। उन्होंने कहा, हम न केवल घुसपैठियों की पहचान करेंगे, बल्कि उन्हें बाहर भी निकालेंगे।15 अप्रैल 2026 के बाद बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी, क्योंकि जनता ने अपना मन बना लिया है। शाह ने

कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आवश्यक भूमि उपलब्ध न कराए जाने के कारण केंद्र सरकार भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा नहीं कर पाई है। शाह ने कहा कि सत्ता में आने के बाद पार्टी पूर्वी सीमाओं से घुसपैठ रोकेगी और बंगाल का पुनरुद्धार सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा, भाजपा पश्चिम बंगाल में दो-तिहाई बहुमत से सरकार बनाएगी। शाह ने कहा कि मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया से मतुआ समुदाय के लोगों को डरने की कोई जरूरत नहीं है। शाह ने कहा,हमारा यह संकल्प है कि धार्मिक उत्पीड़न का शिकार हुए सभी शरणार्थियों को देश में शरण दी जाएगी। ममता बनर्जी भी मतुआ समुदाय को नुकसान नहीं पहुंचा सकतीं। शाह ने आरोप लगाया कि तृणमूल ने भय और हिंसा की राजनीति में वामपंथियों को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, ऐसा माना जाता था कि कम्युनिस्टों की हार के बाद हिंसा और बदले की राजनीति खत्म हो जाएगी लेकिन इन्होंने कम्युनिस्टों को भी पीछे छोड़ दिया है। अब तक 300 से अधिक भाजपा कार्यकताओं की हत्या हो चुकी है। 3,000 से अधिक भाजपा कार्यकर्ता अब भी अपने घरों को नहीं लौट पाए हैं। उन पर दबाव डाला जा रहा है कि उन्हें तभी घर जाने दिया जाएगा जब वे तृणमूल का झंडा लेकर चलेंगे। उन्होंने कहा, बंगाल की जनता ने भय, भ्रष्टाचार और कुशासन के स्थान पर सुशासन को चुनने का संकल्प लिया है। शाह ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व गिरावट आई है और 7,000 से अधिक उद्योग पलायन कर गए हैं।

# पश्चिम बंगालः बिराती बाजार में लगी भीषण आग, 200 दुकानें जलकर राख

**कोलकाताः** पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में बिराती के जादु बाबू बाजार में मंगलवार सुबह लगी आग में करीब 200 दुकानें जलकर राख हो गईं। शुरूआती रिपोर्टों में कहा गया है कि किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। यह मशहूर बाजार बिराती रेलवे स्टेशन के पास है। यहां स्थानीय लोग और यात्री अक्सर आते रहते हैं। सूत्रों ने बताया कि यह भीषण आग मंगलवार तड़के करीब 1.30 बजे लगी, जो उत्तर से चल रही तेज हवाओं के कारण कुछ ही पलों में तेजी से फैल गई।सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की सात गाड़ियां मौके पर पहुंची। हालांकि, तेज हवाओं के कारण फायर ब्रिगेड को आग बुझाने में मुश्किल हो रही थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि जब तक फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, दुकानें पूरी तरह जल चुकी थीं। फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही सूचना मिली थी, गाड़ी रवाना कर दी गई थीय समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही नॉर्थ दमदम नगर पालिका के चेयरमैन बिधान बिस्वास भी मौके पर पहुंचे। टीएणससी नेता ने व्यापारियों को उनके बुरे समय में मदद का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि हम उनके साथ हैं। यह बाजार नगर पालिका के तहत आता है और हम निश्चित रूप से उनकी देखभाल करेंगे। हम उन्हें फिर से बसाने की कोशिश करेंगे।स्थानीय लोगों ने बताया कि आग देर रात एक दुकान में लगी और फिर तेजी से पूरे बाजार में फैल गई। स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि इलाके में भीड़भाड़ होने की वजह से आग तेजी से फैली।उन्होंने कहा कि बाजार के पास घनी आबादी वाले इलाके में कई हाउसिंग कॉम्प्लेक्स और घरों के पास होने के कारण आग एक बड़ी आपदा का रूप ले सकती थी। फायर ब्रिगेड की टीम भी देर से पहुंची थी। यहां लगभग 200 दुकानें हैं। इनमें से कई दुकानें बिजली की थीं। वहीं, व्यापारियों ने पूरी घटना की पूरी जांच की भी मांग की।

राहुल गांधी ने खालिदा जिया के निधन पर जताया दुख, बोले

# बीएनपी चेयरपर्सन ने बांग्लादेश की राजनीतिक यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

**नयी दिल्ली:** बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की चेयरपर्सन बेगम खालिदा जिया का मंगलवार सुबह निधन हो गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया और उनके परिवार, समर्थकों और बांग्लादेश के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के निधन से दुखी हूं। सार्वजनिक जीवन में अपने लंबे करियर के दौरान, उन्होंने बांग्लादेश की राजनीतिक यात्रा में एक

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके परिवार, समर्थकों और बांग्लादेश के लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।वहीं, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी खालिदा जिया के निधन पर शोक जताया। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, इंडियन नेशनल कांग्रेस की ओर से, मैं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में, उन्होंने देश की राजनीतिक यात्रा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके परिवार, समर्थकों और बांग्लादेश के लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, खालिदा जिया का मंगलवार सुबह करीब 6 बजे निधन हो गया।

# नए साल से पहले बारिश बढ़ाएगी ठिठुरन

## मौसम विभाग ने जारी किया भीषण ठंड का अलर्ट

**लखनऊ,।** भीषण ठंड और घने कोहरे की चपेट में आये उत्तर प्रदेश में नए साल से बारिश के आसार जताये गये हैं जिससे ठंड और अधिक बढ़ने की आशंका है। लखनऊ, गोरखपुर, कानपुर समेत प्रदेश के 37 शहर घने कोहरे और ठंड की चपेट में हैं। मंगलवार को कई इलाकों में दृश्यता का स्तर घटकर मात्र 20 मीटर तक रह गया, जिससे सड़कों पर चलना बेहद जोखिम भरा हो गया है। कोहरे के चलते रेल और हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज समेत विभिन्न स्टेशनों से गुजरने वाली 100 से अधिक ट्रेनें 2 से 15 घंटे की देरी से चल रही हैं। वहीं 10 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। बाराबंकी और फतेहपुर प्रदेश के सबसे ठंडे जिले रहे, जहां न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले तीन दिनों के लिए भीषण ठंड का अलर्ट जारी किया है और लोगों को अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की अपील की गई है। स्थिति को देखते हुए प्रदेश सरकार भी अलर्ट मोड पर है। प्रदेश भर में स्कूल और कॉलेज 1 जनवरी तक बंद कर दिए गए हैं। अधिकारियों को सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने और कंबल वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने को कहा है। सोमवार को प्रदेश के 25 से अधिक शहरों में तापमान दो से चार डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। हाथरस में कोहरे के कारण दो गंभीर सड़क हादसे हुए, जिनमें सात लोग घायल हो गए। लखनऊ स्थित मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह के अनुसार, पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी के कारण मैदानी क्षेत्रों में ठंड बनी हुई है। उन्होंने बताया कि अगले तीन दिनों तक दिन और रात दोनों समय ठंड बढ़ेगी, जबकि 1 जनवरी के आसपास बारिश की संभावना है। भीषण ठंड और घने कोहरे से किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। आलू और सरसों की फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को खेतों की नियमित निगरानी करने और कीट व रोग नियंत्रण के लिए जिंक और क्लोरपायरीफॉस के छिड़काव की सलाह दी है।

# 21वीं सदी की मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं: भारतीय रेलवे कनेक्टिविटी के एक नए युग का आगाज कर रही है

**गोरखपुर,:** भारतीय रेलवे 21वीं सदी की कुछ सबसे महत्वाकांक्षी ढ़ांचागत परियोजनाओं को अंजाम दे रहा है। ये परियोजनाएं राष्ट्रीय एकता को मजबूत कर रही हैं, रसद व्यवस्था में सुधार कर रही हैं और आधुनिक रेलवे नेटवर्क का विस्तार कर रही हैं। दुर्गम भूभागों में बने प्रतिष्ठित पुलों से लेकर माल ढुलाई गलियारों और हाई-स्पीड रेल तक, ये परियोजनाएं भारत की बढ़ती इंजीनियरिंग क्षमता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दुनिया को सामने रख रही हैं। सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में से एक है उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल)। यह एक अत्यंत रणनीतिक और राष्ट्रीय महत्व की परियोजना है। करीब 44,000 करोड़ रुपए की लागत से तैयार, 272 किलोमीटर लंबी यह रेल पटरी हिमालयी क्षेत्र से होकर गुजरती है। इस परियोजना में चिनाब रेल पुल भी शामिल है, जो विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे मेहराबदार पुल है। यह नदी से 359 मीटर ऊपर स्थित है, जो एफिल टॉवर से भी ऊंचा है। यह 1,315 मीटर लंबा स्टील मेहराबदार पुल है, जिसे भूकंप और हवा की स्थितियों का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस परियोजना में अंजी नदी पर बना भारत का पहला केबल-स्टे रेलवे पुल भी शामिल है, जिसे अंजी रेल पुल के नाम से जाना जाता है। परियोजना में 36 सुरंगें (119 किमी लंबी) और 943 पुल शामिल हैं। यूएसबीआरएल कश्मीर घाटी को हर मौसम में रेल संपर्क प्रदान करता है। यह क्षेत्र में आवागमन, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। तमिलनाडु में बना नया पंबन रेलवे पुल एक और महत्वपूर्ण



उपलब्धि है। यह नया पुल भारत का पहला वर्टिकल-लिफ्ट समुद्री पुल है। लगभग 550 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित, 2.08 किलोमीटर लंबा यह पुल 100 स्पैन से बना है, जिसमें 18.3 मीटर के 99 स्पैन और 72.5 मीटर का एक मुख्य स्पैन शामिल है। पुल में 333 पाइल और 101 पाइल कैप से युक्त एक मजबूत सबस्ट्रक्चर सिस्टम है, जो संरचनात्मक स्थिरता प्रदान करता है। इसमें कुशल भार वितरण के लिए डिजाइन किए गए 99 एप्रोच गर्डर भी शामिल हैं। इस पुल को चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों और तेज तटीय हवाओं का सामना करने के लिहाज से बनाया गया है। इसकी उम्र बढ़ाने के लिए, एक संक्षारण सुरक्षा प्रणाली प्रदान की गई है, जो बिना रखरखाव के पुल के सेवा जीवन को 38 वर्षों तक और न्यूनतम रखरखाव के साथ 58 वर्षों तक बढ़ा सकती है। यह नया पुल रामेश्वरम को रेल संपर्क सुनिश्चित करता है, जो एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल और पर्यटन केंद्र है। अपने उन्नत डिजाइन और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता को दशार्ते हुए, नए पंबन रेलवे पुल को पुल डिजाइन श्रेणी में प्रतिष्ठित स्टील स्ट्रक्चर्स एंड मेटल बिल्डिंग्स अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है। भारतीय रेलवे ने पूर्वोत्तर में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। कई सालों तक इस क्षेत्र को कनेक्टिविटी की गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। 2014 से पूर्वोत्तर में 1,679 किलोमीटर से अधिक रेल पटरी बिछाई गई है। 2,500 किलोमीटर से अधिक मार्ग का विद्युतीकरण किया गया है। 470 से अधिक सड़क ओवरब्रिज और अंडरब्रिज का निर्माण किया गया है। बैराबी-सैरांग नई लाइन पूरी तरह से चालू हो गई है। इससे पहली बार आइजोल रेल नेटवर्क से जुड़ गया है। आइजोल अब पूर्वोत्तर की चौथी राजधानी है, जो राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जुड़ चुकी है। अमृत ??भारत स्टेशन योजना के तहत पूर्वोत्तर के 60 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। सिवोक-रंगपो, दीमापुर-कोहिमा और जिरीबाम-इम्फाल जैसी प्रमुख परियोजनाएं भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। ये परियोजनाएं पूर्वोत्तर के आर्थिक और सामाजिक एकीकरण को देश के बाकी भागों से जोड़ रही हैं। *पूर्वोत्तर रेलवे पर 58 स्टेशनों को पुनर्विकसित किया जा रहा है, जिनमें से 13 स्टेशनों का कार्य पूर्ण कर उनका उद्घाटन किया जा चुका है।* माल ढुलाई क्षेत्र में, भारतीय रेलवे समर्पित माल ढुलाई गलियारे (डीएफसी) के जरिए रसद व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। लुधियाना से सोननगर तक फैला पूर्वी समर्पित माल ढुलाई गलियारा (ईडीएफसी) 1,337 किलोमीटर लंबा है और पूरी तरह से चालू हो चुका है। जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह टर्मिनल को दादरी से जोड़ने वाला पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई गलियारा (डब्ल्यूडीएफसी) 1,506 किलोमीटर लंबा है, जिसमें से 1,404 किलोमीटर यानी 93.2 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। दोनों कॉरिडोर मिलकर कुल 2,843 किलोमीटर की लंबाई तय करते हैं। अब तक 2,741 किलोमीटर मार्ग चालू हो चुके हैं, जो कुल लंबाई का लगभग 96.4 प्रतिशत है। ये समर्पित कॉरिडोर यात्री मार्गों पर भीड़भाड़ को काफी हद तक कम कर रहे हैं। इनसे यात्रा का समय कम हो रहा है, लॉजिस्टिक्स लागत घट रही है और उद्योगों और बंदरगाहों के लिए विश्वसनीयता बढ़ रही है। ये समर्पित कॉरिडोर भारत में माल ढुलाई को मजबूत कर रहे हैं और तीव्र आर्थिक विकास को बढ़ावा दे रहे हैं। भारतीय रेलवे हाई-स्पीड रेल के क्षेत्र में भी प्रगति कर रहा है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना का कार्यान्वयन एनएचएसआरसीएल द्वारा किया जा रहा है। 21 दिसंबर 2025 तक, कुल 508 किमी की पटरी में से 331 किमी का वायडक्ट कार्य पूरा हो चुका है। 410 किमी के लिए पियर का कार्य पूर्ण हो चुका है। 17 नदी पुल, 5 पीएससी पुल और 11 स्टील पुल पहले ही पूरे हो चुके हैं। लगभग 272 किमी आरसी ट्रैक बेड का निर्माण हो चुका है। 4100 से अधिक ओएचई मास्ट स्थापित किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र में प्रमुख सुरंग निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। सूरत और अहमदाबाद में रोलिंग स्टॉक डिपो भी विकसित किए जा रहे हैं। यह परियोजना भारत में विश्व स्तरीय हाई-स्पीड रेल प्रौद्योगिकी लाएगी। इससे दो प्रमुख आर्थिक केंद्रों के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा। ये ऐतिहासिक परियोजनाएं भारतीय रेलवे की राष्ट्रीय विकास में भूमिका को दशार्ती हैं। ये बड़े पैमाने पर निवेश और उन्नत इंजीनियरिंग क्षमताओं को भी प्रतिबिंबित करती हैं। इन प्रयासों के जरिए भारतीय रेलवे संपर्क में लगातार सुधार कर रहा है, आर्थिक विकास को बढ़ावा दे रहा है और विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय एकता को मजबूत कर रहा है।

## नव वर्ष-2026 वॉल कैलेंडर का विमोचन करते हुये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर उदय बोरवणकर साथ में सचिव/महाप्रबन्धक आनन्द ऋषि श्रीवास्तव एवं मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह

**गोरखपुर, :** महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने महाप्रबन्धक कक्ष, गोरखपुर में नव वर्ष-2026 के वॉल कैलेंडर का विमोचन किया। वॉल कैलेंडर में पूर्वोत्तर



रेलवे के ऐतिहासिक विरासत को सहेजे हुये दर्शनीय स्थलों को आकर्षक स्वरूप में प्रदर्शित किया गया है। पूर्वोत्तर रेलवे के दर्शनीय स्थल काफी लोकप्रिय हैं, जो पूर्वोत्तर रेलवे के गौरवशाली अतीत को समेटे हुये है। दर्शनीय स्थलों में गोरखपुर का गोरखनाथ मंदिर एवं गीता प्रेस; अयोध्या का श्री राम मंदिर; वाराणसी की गंगा आरती; प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं अदृश्य सरस्वती का संगम; छपिया का स्वामी नारायण मंदिर; सारनाथ का धम्मेक स्तूप; मगहर का संत कबीरदास का समाधि स्थल; नैनीताल; रामनगर स्थित जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान तथा पूर्वोत्तर रेलवे पर वंदे भारत एक्सप्रेस का संचलन प्रदर्शित किया गया है। वॉल कैलेंडर रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच काफी लोकप्रिय है। कैलेंडर में रेल कर्मियों के लिये राजपत्रित एवं निवर्जित अवकाश दशार्ये गये हैं।

## ठंड से दिल और दिमाग पर संकट 24 घंटे में 60 को हार्ट अटैक

**कानपुर।** कानपुर में गलन के कारण कार्डियोलॉजी में 60 हार्ट पेशेंट और हैलट में 15 ब्रेन स्ट्रोक के मरीज भर्ती हुए है। वहीं, लावारिस शवों की संख्या बढ़कर 55 पहुंच गई है। कानपुर में गलन भरी ठंड से दिल और दिमाग दोनों खतरे में पड़ रहे हैं। खासतौर पर ब्लड प्रेशर की दवा खाने में लापरवाही और रोग के लक्षणों को नजर अंदाज करना भारी पड़ रहा है। रोगी अस्पताल पहुंचने के पहले ही दम तोड़ दे रहे हैं। सोमवार को कार्डियोलॉजी में हार्ट अटैक के लक्षण वाले 60 रोगी भर्ती हुए। हैलट इमरजेंसी में ब्रेन स्ट्रोक के 15 रोगी भर्ती हुए जिनमें 13 के मस्तिष्क की नसें फट गई थीं। वहीं आठ रोगी मृत अवस्था में अस्पताल लाए गए। एलपीएस कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि सोमवार को ओपीडी में 1133 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। 60 रोगी भर्ती हुए और छह मृतावस्था में पहुंचे। वहीं हैलट की मेडिसिन इमरजेंसी में 38 रोगी भर्ती हुए। इनमें 13 ब्रेन हेमरेज और दो थक्का जमने से स्ट्रोक के थे। ब्रेन हेमरेज का एक रोगी मृतावस्था में हैलट लाया गया। पुराने रोगियों की हालत बिगड़ जा रही मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. जेएस कुशवाहा ने बताया कि ओपीडी में 212 रोगी आए। नर्सिंगहोम से अति गंभीर अवस्था में रेफर होकर आए एक सीओपीडी रोगी की मौत हो गई। अस्पताल आने वाले रोगियों में सबसे अधिक संख्या ब्रेन हेमरेज वालों की है। इसके अलावा गुर्दा और लिवर फेल होने के रोगी भी अस्पताल आ रहे हैं। ब्लड प्रेशर बढ़ने से गुर्दे के पुराने रोगियों की हालत बिगड़ जा रही है। सर्दी में लावारिस शवों की संख्या पहुंची 55 सर्दी में कमिश्नरी के अलग-अलग थानाक्षेत्रों में लावारिस शवों की संख्या तेजी से बढ़ गई है। 29 दिसंबर तक 55 से ज्यादा लावारिस शव पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे। इनमें से करीब 35 का अंतिम संस्कार किया जा चुका है। वहीं, वर्ष 2024 में दिसंबर माह में लावारिस शवों की संख्या 42 थी। सामाजिक संगठनों का आरोप है कि ठंड के मौसम में रैन बसेरों, अलाव और कंबल वितरण की व्यवस्था नाकाफी साबित हो रही है। समयानुसार किया जा रहा है उनका पोस्टमॉर्टम कई लोग मजबूरी में खुले आसमान के नीचे रात गुजारते हैं। अब तक शहर के कोहना, रेलवे स्टेशन, हरबंश मोहाल, चमनगंज, कलक्टरगंज, चकेरी, रावतपुर, नवाबगंज, काकादेव, कोतवाली क्षेत्र में लावारिस शव मिले हैं। पोस्टमॉर्टम प्रभारी डॉ. नवनीत चौधरी का कहना है कि सर्दी में लावारिस शवों की संख्या बढ़ रही है। समयानुसार उनका पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है।

## धूप से मिली हल्की राहत रात में गिरेगा पारा नए साल पर बूंदाबांदी के आसार

**कानपुर।** कानपुर में धूप निकलने से दिन के पारे में दो डिग्री का सुधार हुआ, लेकिन शीतलहर और एक जनवरी को संभावित बूंदाबांदी से ठंड और बढ़ने के आसार हैं। कानपुर में कई दिनों बाद दोपहर में धूप निकलने से ठंड से थोड़ी राहत मिली, लेकिन शाम होते ही फिर से शीतलहर का असर शुरू हो गया। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार 31 दिसंबर को दोपहर में धूप निकलने की संभावना है, लेकिन ठंड में कोई खास कमी नहीं आएगी। नए साल के पहले दिन उत्तर भारत और कानपुर मंडल के कुछ हिस्सों में कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो सकती है।

## 2026 से ट्रेनों की नई समय सारणी प्रभावी होगी

**गोरखपुर, :** पूर्वोत्तर रेलवे पर 01 जनवरी, 2026 से ट्रेनों की नई समय सारणी प्रभावी होगी, जिसकी प्रमुख विशेषताओं में नई ट्रेनें, ट्रेनों का मार्ग विस्तार, टर्मिनल परिवर्तन, ट्रेनों की गति में वृद्धि, नये ठहराव आदि सम्मिलित हैं।

वंदे भारत एक्सप्रेस तथा अमृत भारत एक्सप्रेस-

-नई समय सारणी में 03 जोड़ी चलाई गईं नई वंदे भारत एक्सप्रेस तथा 07 जोड़ी नई अमृत भारत एक्सप्रेस की समय सारणी समाहित की गई है, जिनमें 26502/26501 गोरखपुर-पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस; 26506/26505 बनारस-खजुराहो-बनारस वंदे भारत एक्सप्रेस एवं 26504/26503 गोमती नगर-सहारनपुर-गोमती नगर वंदे भारत एक्सप्रेस तथा 15133/15134 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा अमृत भारत एक्सप्रेस; 15561/15562 दरभंगा-गोमती नगर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस; 13435/13436 मालदा टाउन-गोमती नगर-मालदा टाउन अमृत भारत एक्सप्रेस; 15567/15568 बापूधाम मोतिहारी-आनन्द विहार टर्मिनल-बापूधाम मोतिहारी अमृत भारत एक्सप्रेस; 14047/14048 सीतामढ़ी-दिल्ली-सीतामढ़ी अमृत भारत एक्सप्रेस; 14627/14628 सहरसा-छैहरटा-सहरसा अमृत भारत एक्सप्रेस एवं 19624/19623 दरभंगा-मदार (अजमेर)-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें सम्मिलित हैं।

इसके अतिरिक्त 15092/15091 टनकपुर-दौराई-टनकपुर एक्सप्रेस; 15135/15136 छपरा-अमृतसर-छपरा एक्सप्रेस एवं 55363/55364 पीलीभीत-शाहजहाँपुर-पीलीभीत सवारी गाड़ी सम्मिलित है।

मार्ग विस्तार-

-55307/55308 कासगंज-काशीपुर-कासगंज सवारी गाड़ी का रामनगर तक; 15009/15010 गोरखपुर-पीलीभीत-गोरखपुर एक्सप्रेस का इज्जतनगर तक तथा 19045/19046 सूरत-छपरा-सूरत एक्सप्रेस का थावे तक मार्ग विस्तार किया गया। इसके अतिरिक्त 55320 पीलीभीत-बरेली सिटी सवारी गाड़ी का 01 जनवरी, 2026 से बरेली तक मार्ग विस्तार किया जायेगा।

टर्मिनल परिवर्तन- चार जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों का टर्मिनल परिवर्तन निम्नवत किया जायेगा।

-12533/12534 लखनऊ जं.-छत्रपति शिवाजी टर्मिनस-लखनऊ जं. एक्सप्रेस का 26 जनवरी, 2026 से टर्मिनल परिवर्तन कर लखनऊ जं. के स्थान पर गोमती नगर; 15054/15053 लखनऊ जं.-छपरा-लखनऊ जं. एक्सप्रेस का 26 जनवरी, 2026 से टर्मिनल परिवर्तन कर लखनऊ जं. के स्थान पर गोमती नगर; 22467/22468 वाराणसी जं.-गांधीनगर कैपिटल-वाराणसी जं. एक्सप्रेस का 04/05 मार्च, 2026 से टर्मिनल परिवर्तन कर वाराणसी जं. के स्थान पर बनारस किया जायेगा तथा यह गाड़ी परिवर्तित गाड़ी संख्या 22585/22586 से चलाई जायेगी और 14224/14223 वाराणसी जं.-राजगीर-वाराणसी जं. एक्सप्रेस का 08/09 मार्च, 2026 से टर्मिनल परिवर्तन कर वाराणसी जं. के स्थान पर बनारस किया जायेगा तथा यह गाड़ी परिवर्तित गाड़ी संख्या 15138/15137 से चलाई जायेगी।

ट्रेनों की गति में वृद्धि-

-पूर्वोत्तर रेलवे पर 62 मेल एक्सप्रेस ट्रेनों की गति में वृद्धि की गई है, जिसके फलस्वरूप 653 मिनट की बचत होगी। इसी प्रकार, 55 सवारी ट्रेनों की गति में बढ़ोत्तरी होने से 712 मिनट की बचत होगी।

नये ठहराव-

-15103/15104 गोरखपुर-बनारस-गोरखपुर एक्सप्रेस का चौरी चौरा; 19165/19166 अहमदाबाद-दरभंगा-अहमदाबाद एक्सप्रेस का सरायमीर; 12537/12538 (परिवर्तित गाड़ी संख्या 14111/14112) मुजफ्फरपुर-प्रयागराज जं.-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस का कप्तानगंज; 13509/13510 आसनसोल-गोंडा-आसनसोल एक्सप्रेस का मुहम्मदाबाद; 15084 फरुर्खाबाद-छपरा एक्सप्रेस का खोरासन रोड एवं सरायमीर; 15211 दरभंगा-अमृतसर एक्सप्रेस का सिसवा बाजार; 14618 अमृतसर-पूर्णिया कोर्ट एक्सप्रेस का दुरौंधा; 12211/12212 मुजफ्फरपुर-आनन्द विहार टर्मिनल एक्सप्रेस का बस्ती; 15204/15203 लखनऊ जं.-बरौनी-लखनऊ जं. एक्सप्रेस का मैरवा; 15909/15910 डिब्रुगढ़-लालगढ-डिब्रुगढ़ एक्सप्रेस का मैरवा; 19051/19052 वलसाड-मुजफ्फरपुर-वलसाड एक्सप्रेस का गाजीपुर सिटी तथा 04651/04652 जयनगर-अमृतसर-जयनगर विशेष गाड़ी का बकुल्हा, सहतवार, बलिया एवं फेफना स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त 15705/15706 कटिहार-दिल्ली-कटिहार एक्सप्रेस का 01 जनवरी, 2026 से बढ़नी; 15083/15084 छपरा-फरुर्खाबाद-छपरा एक्सप्रेस का 16 जनवरी, 2026 से फेफना तथा 15231/15232 बरौनी-गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस का 16 जनवरी, 2026 से फेफना स्टेशन पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

## पूर्वोत्तर रेलवे की पहल: टैबलेट के माध्यम से कम्प्यूटर आधारित परीक्षा (सी.बी.टी.) से विभागीय पदोन्नति परीक्षा

**गोरखपुर, :** पूर्वोत्तर रेलवे के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुये रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देश के अनुसार पहली बार विभागीय पदोन्नति परीक्षा को कम्प्यूटर आधारित परीक्षा (सी.बी.टी.) मोड में टैबलेट के माध्यम से प्रथम चरण 13 दिसम्बर, 2025 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के जूनियर इंजीनियर के पदोन्नति कोटे के 10 कैटेगरी की परीक्षा कराई गई, जिसमें लगभग 500 उम्मीदवारों ने भाग लिया। दूसरा चरण 26 से 28 दिसम्बर, 2025 तक भी सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के पदोन्नति कोटे एवं एल.डी.सी.ई. कोटे के 15 कैटेगरी की परीक्षा कराई गई, जिसमें लगभग 2,100 उम्मीदवारों ने पूर्वोत्तर रेलवे के चार परीक्षा केन्द्रों पर सफलतापूर्वक चयन में भाग लिया। यह पहल न केवल तकनीकी नवाचार का उदाहरण है बल्कि पारदर्शिता, दक्षता एवं समयबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। अभी तक विभागीय परीक्षायें पारम्परिक लिखित माध्यम से आयोजित होती रही हैं, जिनमें प्रश्नपत्रों की छपाई,



वितरण, मूल्यांकन एवं परिणाम घोषित करने में काफी समय लगता था। टैबलेट आधारित सी.बी.टी. प्रणाली ने इन सभी प्रक्रियाओं को सरल, तेज एवं अधिक भरोसेमंद बना दिया है। परीक्षा के आयोजन से लेकर मूल्यांकन तक पूरी प्रक्रिया डिजिटल होने से मानवीय त्रुटियों की सम्भावना न्यूनतम हो गई है। इस नई व्यवस्था से कर्मचारियों को भी कई लाभ हुये हैं। टैबलेट पर प्रश्नों का स्पष्ट प्रदर्शन, समय की सटीक गणना एवं निष्पक्ष मूल्यांकन ने परीक्षार्थियों में विश्वास बढ़ाया है। साथ ही, परीक्षा का आयोजन टैबलेट मोड में किये जाने से परिणाम शीघ्र उपलब्ध होंगे, जिससे पदोन्नति से सम्बन्धित कार्यवाही समय पर सुनिश्चित होगी। यह तकनीक डिजिटल इंडिया और पेपरलेस गवर्नेंस की सोच के अनुरूप है। यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि संसाधनों की बचत एवं प्रशासनिक कार्यकुशलता को भी बढ़ावा देती है। सीमित संसाधनों में बड़े स्तर पर परीक्षा आयोजन की यह क्षमता भविष्य में अन्य परीक्षाओं के लिये भी एक प्रेरक मॉडल बन सकती है। रेलवे प्रशासन की यह उपलब्धि दशार्ती है कि आधुनिक तकनीक के समुचित उपयोग से सरकारी संस्थान नवाचार एवं सुधार की नई मिसाल कायम कर सकते हैं। पूर्वोत्तर रेलवे का यह प्रयास कर्मचारियों के विकास एवं रेल की कार्यप्रणाली को और अधिक आधुनिक बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मनोज कुमार के निर्देशन में मुख्यालय/मंडलों तथा अन्य इकाइयों के अधिकारियों के साथ समन्वय एवं योजना के कारण विभागीय पदोन्नति परीक्षा को कम्प्यूटर आधारित परीक्षा (सी.बी.टी.) मोड में टैबलेट के माध्यम से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

## वाराणसी में पिता-पुत्री ने खाया जहर पिता की मौत

**वाराणसी।** वाराणसी जिले में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां पिता-पुत्री ने जहर खा लिया। जिसके बाद पिता की मौत हो गई, जबकि बेटी अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती है। वाराणसी जिले के लंका थाना क्षेत्र के महेश नगर कॉलोनी में रहने वाले बृजेश तिवारी (75) और उनकी बेटी लता तिवारी (40)



ने जहर खा लिया। घटना की जानकारी बृजेश तिवारी के भतीजे के घर पहुंचने पर हुई। उसने पुलिस को घटना की सूचना दी। इस पर नगवा चौकी प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और दोनों को बालाजी नगर स्थित एक अस्पताल में ले गए, जहां चिकित्सकों ने बृजेश तिवारी को मृत घोषित कर दिया। जबकि लता का इलाज चल रहा है। घटना को लेकर मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक लंका राजकुमार शर्मा व नगवा चौकी प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि बृजेश तिवारी पिछले छह वर्षों से पैरालिसिस होने के कारण चलने में असमर्थ थे। उनकी बेटी लता की शादी वर्ष 2014 में हुई थी, लेकिन 2016 में बेटी का तलाक हो गया। इसके बाद बेटी घर पर ही रहती थी। पुलिस के मुताबिक परिजनों से पूछताछ में पता चला कि बृजेश तिवारी की पत्नी का पिछले कुछ दिनों पहले कूल्हे का ऑपरेशन फोर्ड हॉस्पिटल में हुआ है। घर की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर हो चुकी है। सोमवार की रात में बृजेश तिवारी की पत्नी कालिंदी को ब्रेन स्ट्रोक हुआ, जिसकी जानकारी बेटे को दी गई तो वह फोन बंद कर दिया। इसके बाद बेटी और पिता ने घर में रखा कीटनाशक पदार्थ पी लिया। बृजेश तिवारी मूल रूप से देवरिया जिले के लार रोड के रहने वाले थे 45 साल पहले शहर में आकर बस गए थे। डाक विभाग में बाबू की नौकरी करते थे। 15 साल पहले रिटायर हुए थे।

## संक्षिप्त खबरें

### समितियों पर खाद नहीं बढ़ी परेशानी

भानपुर। समितियों पर खाद उपलब्ध नहीं होने से किसानों को निजी दुकानों से अधिक मूल्य पर खाद खरीदनी पड़ रही है। रामनगर ब्लॉक के वी पैक्स केंद्र दरियापुर के सचिव रामकदम वर्मा ने बताया कि केंद्र पर अब तक 112.5 टन 2500 बोरी खाद आई है। एक हजार किसानों में इसे वितरित किया गया है। कलंदरनगर केंद्र के सात सौ किसान सदस्य हैं। सचिव ने बताया कि 22-23 दिसंबर को पांच सौ बोरी यूरिया आई थी। इसका वितरण किया जा चुका है। दो से तीन दिन में पुनः खाद आने की उम्मीद है। बी-पैक्स तेनुआ असनहरा के सचिव केदारनाथ ने बताया कि 19 दिसंबर को पांच सौ बोरी यूरिया बांटी गई है। फिलहाल 150 बोरी डीएपी उपलब्ध है।

### विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

बस्ती। मंडलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को विकास कार्यों की मासिक मंडलीय समीक्षा बैठक आयुक्त सभागार में हुई। इसमें विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई। मंडलायुक्त ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, जल निगम, नियोजन, पंचायतीराज, पंचम वित्त राज आयोग, पर्यटन, लोकनिर्माण, लोक शिकायत, कृषि एवं सहकारिता सहित संचालित विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। कहा कि जिन परियोजनाओं की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप पाई गई हैं, उनके संबंध में संबंधित अधिकारी अपेक्षित प्रगति करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि खाद वितरण से संबंधित कोई भी शिकायत न आने पाए। खाद वितरण में पारदर्शिता बनाए रखें। आईजीआरएस मामलों के निस्तारण में बिना राग-द्वेष के सुस्पष्ट आख्या लगाएं। बैठक का संचालन संयुक्त विकास आयुक्त कमला पांडेय ने किया। इस दौरान डीएम सिद्धार्थनगर शिवशरणप्पा जीएन, संतकबीरनगर आलोक कुमार, मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, बलराम सिंह, जयकेश त्रिपाठी, उप प्रभागीय वनाधिकारी सिद्धार्थनगर वीना तिवारी आदि अधिकारी मौजूद रहे।

### टेंट व्यवसायी ने छत से लगाई छलांग

नगर बाजार (बस्ती)। थाना क्षेत्र के खंता चौराहे पर रविवार की रात एक टेंट व्यवसायी ने छत से छलांग लगा दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिवार वालों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। परिवार वालों ने बताया कि पिपरा गौतम निवासी साबिर अली (50) की खंता चौराहे पर टेंट हाउस है। दुकान के ऊपरी हिस्से में रहते हैं। रविवार की रात करीब एक बजे मकान के छत से छलांग लगा दी। छत से कूदने के कारण साबिर अली के दाहिने पैर में गंभीर फ्रैक्चर हो गया। बड़े भाई सबरे आलम ने बताया कि साबिर अली पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रहे हैं।

### एक जनवरी से बस्ती-प्रयागराज रूट पर दौड़ेंगी अतिरिक्त बसें

बस्ती। संगम नगरी में लगने वाले माघ मेले तक श्रद्धालुओं को पहुंचाने के लिए परिवहन निगम ने तैयारी को और तेज कर दिया है। माघ मेले के दौरान बस्ती डिपो से प्रयागराज के लिए हर 30 मिनट पर बसें रवाना की जाएंगी। एक जनवरी से बस्ती-प्रयागराज रूट पर बसें मध्यरात्रि से दौड़ना शुरू कर देंगी। तीन जनवरी से शुरू हो रहे माघ मेले को देखते हुए परिवहन निगम ने एक जनवरी से 15 फरवरी तक चालकों-परिचालकों के अवकाश पर रोक लगा दी है। गंभीर रूप से बीमार कर्मियों या परिवार में दुखद हादसे पर ही चालकों-परिचालकों को अवकाश मिल सकेगा। प्रोत्साहन योजना के तहत माघ मेले में बेहतर कार्य करने वाले चालकों, परिचालकों समेत अधिकारियों व कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाएगा। बस्ती डिपो के बेड़े में शामिल 103 रोडवेज बसों को माघ मेले के लिए दुरुस्त किया जा रहा है। एआरएम आयुष भटनागर ने बताया कि सभी कर्मचारियों को प्रतिदिन ड्यूटी पर आने के लिए निर्देशित किया गया है। बस्ती डिपो से जनपद के साथ आस-पास के जनपदों के श्रद्धालु भी प्रयागराज जाकर गंगा स्नान करते हैं। भीड़ के दृष्टिगत अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला किया गया है। अभी बस्ती डिपो की 80 बसें लगाई गई हैं, जो एक जनवरी से प्रयागराज के लिए सेवा देंगी। उन्होंने बताया कि रूट के यात्रियों को सुविधा देने के लिए अनुबंधित 36 बसों को विभिन्न रूटों पर दौड़ाया जाएगा।

### सीसीटीएनएस निस्तारण में बस्ती प्रथम

बस्ती। अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस) योजना के सफल क्रियान्वयन और प्रभावी पर्यवेक्षण के संबंध में तैयार प्रगति डैशबोर्ड के आधार पर नवंबर माह में जनपद बस्ती को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इसके लिए अपर पुलिस महानिदेशक (टेक्निकल) नवीन अरोड़ा ने बस्ती के एसपी अभिनंदन को बधाई दी है। सीसीटीएनएस योजना के तहत तकनीकी दक्षता, समयबद्ध डाटा प्रविष्टि एवं सतत पर्यवेक्षण के माध्यम से यह उपलब्धि हासिल की है।

### भाकियू कार्यकताओं ने ब्लॉक मुख्यालय पर दिया धरना

बनकटी। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम चौधरी की अगुवाई में ब्लॉक मुख्यालय पर चार सूत्रीय मांगों को लेकर कार्यकताओं ने धरना दिया। दोपहर बाद एसडीएम सदर और नायब तहसीलदार पहुंचे। इस दौरान आंदोलनकारियों से वार्ता के बाद उन्हें शांत किया गया। बाद में भाकियू की तरफ से एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। भाकियू नेताओं ने कहा कि किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण होते ही संबंधित क्रय केंद्र का नाम और तिथि बताकर धान खरीद की सत्यापन प्रक्रिया पूरी की जाए। इसके साथ ही खरीद सुनिश्चित कराई जाए। धान की पर्याप्त खरीद न होने से किसान एकमुश्त विद्युत बिल समाधान योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। इसलिए 25 प्रतिशत मूलधन पर छूट की समय-सीमा मार्च 2026 तक बढ़ाई जाए।गन्ने की घटतौली समाप्त कराई जाए। उतरवाई के नाम पर किसानों से की जा रही अवैध वसूली पर रोक लगनी चाहिए।

### सही से करें तैयारी हिंदी में भी ला सकते हैं अच्छे मार्क्स

बस्ती। यूपी बोर्ड परीक्षा शुरू होने में अभी डेढ़ महीने का समय है। इस अवधि में विद्यार्थी विषयगत अच्छी तैयारी कर सकते हैं। हिंदी विषय के शिक्षकों का कहना है कि विद्यार्थी फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ की तैयारी में ज्यादा समय देते हैं। इस चक्कर में हिंदी का रिवीजन नहीं हो पाता है। अधिकांश विद्यार्थियों का हिंदी में मार्क्स भी कम आता है। यदि सही रणनीति अपना कर हिंदी की भी तैयारी कर ली जाए तो मार्क्स और बेहतर हो सकते हैं। हिंदी के शिक्षक वीरेंद्र सिंह कहते हैं कि बोर्ड परीक्षा में हिंदी विषय को अक्सर सरल समझकर कम समय दिया जाता है, जबकि अच्छे अंक पाने के लिए हिंदी में भी सही रणनीति की आवश्यकता होती है। जब परीक्षा में केवल कुछ ही दिन शेष हों, तब बिखरी हुई पढ़ाई नहीं, बल्कि सटीक और योजनाबद्ध तैयारी ही सफलता दिला सकती है। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम को तीन भागों में बांटें।

## विश्वकप से पहले ऑस्ट्रेलिया को तगड़ा झटका 160+ स्ट्राइक रेट वाला स्टार खिलाड़ी चोटिल हुआ

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है, जहां विस्फोटक बल्लेबाज टिम डेविड हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बिग बैश लीग के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियों के अंतिम चरण में सभी टीमें जुटी हुई हैं। भारतीय टीम ने पहले ही अपने संभावित खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। वहीं, अन्य टीमें भी अपनी अंतिम संयोजन पर काम कर रही हैं। इसी बीच ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है। विस्फोटक बल्लेबाज टिम डेविड हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बिग बैश लीग (बीबीएल) के बाकी मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। टिम डेविड चोटिल होकर बीबीएल से बाहर टिम डेविड टी20 विशेषज्ञ माने जाते हैं। उन्होंने 68 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1596 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 168.88 का है। स्कैन में उनके दाएं हैमस्ट्रिंग में ग्रेड-2 स्ट्रेन की पुष्टि हुई है

# यूपी में फिर बढ़ी एसआईआर की समय सीमा, अब छह जनवरी को आएगी पहली कच्ची सूची

**लखनऊः** उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 1 जनवरी, 2026 के आधार पर प्रदेश में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की घोषित तिथियों में संशोधन करते हुए नई तिथियां जारी कर दी गई है। संशोधित तिथियों के अनुसार, अब मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन 6 जनवरी, 2026 को किया जाएगा। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 6 जनवरी से 6 फरवरी, 2026 तक निर्धारित की गई है। 6 जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 6 मार्च, 2026 को किया जाएगा।बीएलओ की जिम्मेदारी

प्रत्येक बीएलओ को अपने

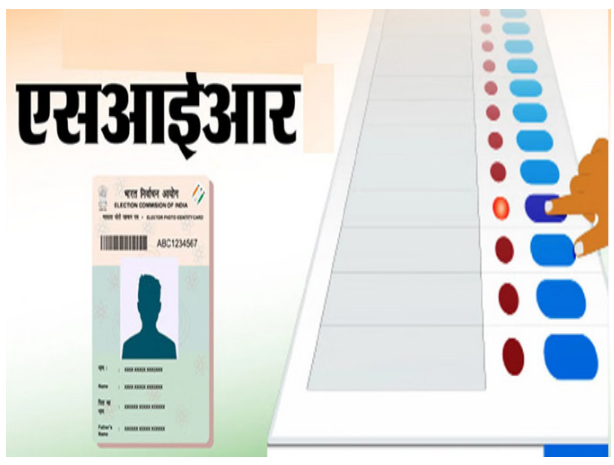


क्षेत्र के मतदाओं के घर घर जाकर एसआईआर फॉर्म की दो कॉपियां देनी होगी। दोनों कॉपियां मतदाता भरेगा। जिसमें एक कॉपी बीएलओ अपने पास जमा कर लेंगे जबकि दूसरी कॉपी मतदाता के पास रहेगा। फॉर्म की जो कॉपी मतदाता के पास रहेगी उसमें बीएलओ के हस्ताक्षर भी होंगे। जिससे ये सुनिश्चित हो जाएगा कि मतदाता ने एसआईआर फॉर्म भर दिया है। फोटो भी दोनों फॉर्म पर लगेंगी।

**इसका रखें विशेष ध्यान**

फॉर्म में मोबाइल नंबर स्पष्ट लिखें। सुनिश्चित करें कि नंबर गलत न हो। जन्मतिथि व एपिक नंबर की पुष्टि कर लें कि उसमें कोई गलती न हो। आधार नंबर वैकल्पिक है। अनिवार्य नहीं है। फॉर्म की जो कॉपी मतदाता को दी जाए उसे सुरक्षित रखें। इसलिए जरूरी है एसआईआर फॉर्म भरकर जमा करना अनिवार्य है। वर्ना सूची से नाम कट सकता है। पूरे देश में आपका नाम सिर्फ एक ही मतदाता सूची में रहेगा। एसआईआर से डुप्लीकेसी और फेक वोटर को हटाया जाएगा। यह जरूर करें यदि आप वर्तमान में अपने निवास स्थान से दूर रह रहे हैं, तो अपने बीएलओ से संपर्क करें और फॉर्म प्राप्त करें।

**लखनऊ के आंकड़े**

**कुल मतदाताः 39 लाख 94 हजार 535**

**कुल बीएलओः 3789**

**वितरित किए गए फॉर्मः 99.31 फीसदी**

# लखनऊ नगर निगम का समिट बिल्डिंग में छापा

### ब्लैक ब्रयू हाउस बार सील, बिना ट्रेड लाइसेंस के चला रहे थे

**लखनऊ :** नगर निगम ने गोमती नगर स्थित समिट बिल्डिंग में दो बार को सील कर दिया है। निगम अधिकारियों का कहना है कि ब्लैक ब्रयू हाउस बार

को पिछले 6 महीने से ट्रेड लाइसेंस लेने के लिए नोटिस दिया जा रहा था, लेकिन मालिक बिना ट्रेड लाइसेंस लिए बार का संचालन कर रहा था। इस पर निगम टीम ने मंगलवार को सीलिंग की कार्रवाई की है। अधिकारियों ने स्टाफ-कर्मचारियों को बार से बाहर निकाला, इसके बाद सीलिंग की कार्रवाई की गई। वहीं, नगर निगम ने किंग क्लब हाउस को भी सील किया है। इस मौके पर अधिकारियों ने बताया कि ट्रेड लाइसेंस नहीं जमा करने पर यह कार्रवाई की गई है। कई बार नोटिस भी दी जा चुकी है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि ट्रेड लाइसेंस लेने के लिए करीब 55 हजार रुपए लगते हैं। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर सख्ती बरती जा रही है। मौके पर दोनों बार पर ताला मार दिया गया है।

## ज्वाइंट सीपी ने चेकिंग अभियान चलाया,हजरतगंज में वाहनों की चेकिंग

**लखनऊ,।** राजधानी लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर नए साल के चलते ज्वाइंट सीपी ने चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान डॉग स्क्वॉड समेत कई टीम में मौजूद रहीं। चौराहे से गुजरने वाली हर गाड़ियों की चेकिंग की गई। मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे पुलिस टीम चौराहे पर चेकिंग करने उतरी। इस दौरान बिना हेलमेट और नियमों का उल्लंघन करने वालों की गाड़ी को रुकवाया गया। कई ऐसे चालक रहे जो पुलिस को देखकर भागते नजर आए। वही जिन्हें रोका गया वह अलग-अलग बहाने बनाते रहे। जितनी गाड़ियां रोकी गई उसमें कई गाड़ियों में हेलमेट मिला। हालांकि किसी ने लगा नहीं रखा था। डीएल मांगने पर कई चालक दिखा नहीं सके। इस दौरान डीसीपी ट्रैफिक ने कई लोगों को हिदायत देकर छोड़ा।

## 3 साल से बजट नहीं मिला,जिला पंचायत सदस्य भूख हड़ताल पर बैठे

**लखनऊ,।** लखनऊ में जिला पंचायत अध्यक्ष और सदस्यों ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों पर अवैध वसूली और विकास कार्य न करने के आरोप लगाते हुए कैसरबाग स्थित पंचायत भवन पर भूख हड़ताल पर बैठ गए। विजय बहादुर ने कहा हम लोग लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर परेशान है। आज हमें धरने पर बैठना पड़ा। 3 साल का बजट पड़ा हुआ है ना तो कोई टेंडर हो रहा है और ना विकास का काम। हम चाहते हैं कि सरकार इसका संज्ञान ले और अधूरे पड़े विकास के कामों को करवाए। जिला पंचायत का चुनाव आने वाला है। दो महीना बचा है। विकास का काम ठप हो रहा है। हम लोगों को जनता के बीच में जवाब देना पड़ता है। सड़कों के निर्माण का काम अधूरा पड़ा है, नाले खुले पड़े हैं, जिसमें गाय और भैंस गिर रही हैं। सरकार कहती है गाय हमारी माता है। वह नाले में गिर रही है। जनता को हम क्या जवाब दें। हम लोग भूख हड़ताल पर बैठे हैं। अपनी मांगों के संबंध में जिलाधिकारी को ज्ञापन देंगे। कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदेश भर के सदस्य विधानसभा घेरेंगे। अनीता रावत ने कहा 3 सालों से कोई बजट नहीं पास हो रहा है, जिससे हम लोग परेशान हैं। जिला पंचायत सदस्यों को अधिकारी परेशान और गुमराह करते हैं, जिससे विकास के काम नहीं हो पा रहे हैं। पंचायत भवन में हम लोगों के साथ बैठक हुई, उसमें भी झूठ बोला गया। चुनाव आने वाला है। कोई काम नहीं हुआ है। जनता के प्रति हमारी जवाबदेही बनती है। इसलिए हम लोग आज यहां बैठकर संघर्ष कर रहे हैं। हम लोग काम करना चाह रहे हैं। मगर अधिकारी काम नहीं होने दे रहे हैं, जिससे परेशानियां बढ़ रही हैं।

## ब्राह्मण विधायकों की बैठक को लेकर भाजपा विधायक ने दी सफाई

**लखनऊ,।** उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान कुशीनगर से भाजपा विधायक पी एन पाठक के सरकारी आवास पर ब्राह्मण विधायकों की बैठक को लेकर उठे विवाद पर अब स्वयं विधायक की प्रतिक्रिया सामने आई है। सोशल मीडिया के जरिए दिए गए बयान से एक बार फिर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा विधायक पंचानंद पाठक ने एक्स पर किए गए अपने पोस्ट में कहा कि ब्राह्मण समाज को जोड़ने का कार्य करता है, न कि विभाजन का। उन्होंने लिखा, जय श्री राम, जय सनातन, जय भाजपा। सनातन परंपरा में ब्राह्मण को समाज का मार्गदर्शक, विचारक और संतुलनकर्ता माना गया है। जहां ब्राह्मण एकत्र होता है, वहां ज्ञान, विवेक और चिंतन का मंथन होता है, जो हिंदू अस्मिता को सशक्त बनाता है। उसका धर्म समाज को जोड़ना है, विभाजन नहीं। गौरतलब है कि बीते दिनों लखनऊ में हुई इस बैठक के बाद राजनीतिक हलकों में चचाओं का दौर शुरू हो गया था। पार्टी नेतृत्व ने इसे संगठनात्मक अनुशासन से जोड़ते हुए नाराजगी जाहिर की थी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने बैठक में शामिल विधायकों को नसीहत देते हुए सख्त चेतावनी भी दी थी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पंचानंद पाठक का यह बयान पार्टी अध्यक्ष की चेतावनी के बाद अपनी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, भाजपा की ओर से इस बयान पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। ब्राह्मण विधायकों की बैठक और उस पर आई प्रतिक्रियाओं ने प्रदेश की राजनीति में जातीय समीकरणों और संगठनात्मक अनुशासन को लेकर नई बहस को जन्म दे दिया है।

# लखनऊ में युवक की चेहरा-सिर काटकर हत्या

**लखनऊः** ोहनलालगंज थाना क्षेत्र में एक युवक की हत्या कर दी गई है। किसी धारदार हथियार से उसका सिर और चेहरे पर कट लगाए गए हैं। जहां उसका शव पड़ा मिला वहीं पास में उसकी चप्पलें पड़ी हैं। मृतक का मोबाइल फोन गायब है। रविवार को वह घर से लापता हुआ था। घरवालों ने पुलिस में आज (मंगलवार) सुबह गुमशुदगी लिखवाई थी। गुमशुदगी के कुछ ही देर बाद किसी ने थाने में सूचना दी कि मऊ नहर पुल से हुलासखेड़ा मार्ग पर एक शव पड़ा है। शव के चेहरा बुरी तरह कूंचा हुआ है। पुलिस पहुंची। शिनाख्त कराने लगे तो यह उसी युवक का शव निकला जो एक दिन पहले लापता हुआ था। मृतक की पहचान जेल रोड निवासी अलमास सिद्दीकी (23) के रूप में हुई। पुलिस सूचना मिलते ही मौके पहुंची। शव के पास मृतक की चप्पलें पड़ी थीं। वहीं कुछ दूर पर एक माचिस पड़ी हुई मिली। मृतक का मोबाइल फोन गायब है। वह उसी दिन से स्विच ऑफ आ रहा था। मृतक के मामा का बेटा अरशद ने बताया रात से ही परिजन उसे खोज रहे थे लेकिन कुछ पता नहीं चला। आज दोपहर

में सोशल मीडिया से जानकारी हुई कि मौत हो चुकी है। मृतक अलमास के पिता रवी मोहम्मद ने आज सुबह ही मोहनलालगंज थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। उनकी शिकायत के अनुसार, अलमास रविवार शाम घर से यह कहकर निकला था कि खुजौली जा रहा हूं। थोड़ी देर में आऊंगा। उसके बाद वह नहीं लौटा। अगले दिन पूरे दिन नहीं मिला। आज सुबह पिता थाने में पहुंचे और गुमशुदगी लिखवाई। लखनऊ में एक युवक की हत्या कर दी गई। धारदार हथियार से उसके सिर और चेहरे को काटा गया। जहां लाश पड़ी मिली, उसी के पास युवक की चप्पलें पड़ी थीं। 29 दिसंबर की शाम युवक अपनी मां से यह कहकर निकला था कि थोड़ी में आकर खाना खाऊंगा। लेकिन, इसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चला। घरवालों ने आज (मंगलवार) सुबह युवक की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। रिपोर्ट लिखवाने के कुछ ही देर बाद किसी ने थाने में सूचना दी कि मऊ नहर पुल से हुलासखेड़ा मार्ग पर एक शव पड़ा है। चेहरा बुरी तरह काटा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्त कराई। इसमें पता चला कि शव उसी युवक का है, जो एक दिन पहले लापता हुआ था। उसकी पहचान जेल रोड में रहने वाले अलमास सिद्दीकी (23) के रूप में हुई। पिता रवी मोहम्मद ने बताया- बेटे के पास बार-बार किसी का फोन आ रहा था। वह घर से यह कहकर जाने लगा कि थोड़ी देर में आ रहा हूं। इस पर उसकी मां ने कहा कि खाना खा लो, तब बाहर जाओ। तब बेटे ने पूछा कि क्या बना है? मां ने बताया कि दाल-रोटी बनी है। इस पर बेटे ने जवाब दिया कि ठीक है, लौटकर आऊंगा तब खाऊंगा। एक दिन बाद उसकी डेडबॉडी मिली। शव के पास चप्पलें और माचिस मिली पुलिस को अलमास के शव के पास उसकी चप्पलें पड़ी मिलीं। कुछ दूर पर एक माचिस भी पड़ी थी। लेकिन, अलमास का मोबाइल फोन गायब है। मोबाइल सोमवार से ही स्विच ऑफ है। अलमास के ममेरे भाई अरशद ने बताया- रात से ही हम लोग उसे खोज रहे थे, लेकिन कुछ पता नहीं चला। आज दोपहर में सोशल मीडिया से पता चला कि अलमास की मौत हो चुकी है।

## चप्पल कारीगर की संदिग्ध हालत में मौत,घर के कमरे में मिला शव

**लखनऊ,3।** सहादतगंज थाना क्षेत्र में एक चप्पल कारीगर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक का शव घर में पीछे के कमरे में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। फिलहाल परिवार ने कोई आरोप नहीं है। सहादतगंज वजीरबाग तिहाई निवासी मो. आरिफ (42) चप्पल कारीगर थे। वह पत्नी परवीन, बेटे आतिफ और बेटी शिफा के साथ रहते थे। पत्नी परवीन घर के पास ही अपने मायके गई हुई थी। जब वह लौटी तो बच्चे पीछे के कमरे में गए। उन्होंने देखा कि आरिफ जमीन पर गिरे थे। उन्हें उठाने की कोशिश की तो वह नहीं उठे। इसकी जानकारी अन्य लोगों को दी गई। परिजन जब उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे तो डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सहादतगंज इंस्पेक्टर संतोष आर्या ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके कर पहुंची तो परिजनों ने पोस्टमॉर्टम करने से इनकार कर दिया। काफी देर समझाने के बाद वह लोग पोस्टमॉर्टम के लिए राजी हुए। मृतक के पास से कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला है। मौत का कारण भी अभी स्पष्ट नहीं है। शव को पंचनामा भर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा।

# नए साल में होगा योगी मंत्रिमंडल विस्तार ,नामों पर लगने लगीं अटकले

**लखनऊ,।** योगी कैबिनेट के अगले महीने होने वाले विस्तार को लेकर सुगबुगाहट शुरू हो गई है। मंत्रिमंडल के विस्तार में मंत्री पद का तोहफा पाने वालों के नामों पर अटकलें लगने लगी हैं। पश्चिमी यूपी से कई नामों पर चर्चा तेज है। तीन नाम सबसे आगे हैं। इन तीन में एक का मंत्री बनना तो तय ही माना जा रहा है। कुछ विधायकों ने पैरवी शुरू कर दी है। विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों की झलक मंत्रिमंडल विस्तार में दिखाई देगी। गुणा भाग लगाया जाने लगा है कि कौन कहां से मंत्री पद पा सकता है। जातीय समीकरणों के लिहाज से योगी कैबिनेट में संतुलन दिखेगा। मुरादाबाद मंडल से एक मंत्री तय है। चंदौसी से विधायक गुलाब देवी माध्यमिक शिक्षा मंत्री हैं। रामपुर से बल्देव औलख कृषि राज्य मंत्री हैं। भूपेंद्र चौधरी कैबिनेट में पंचायतराज मंत्री रहे हैं। उनको मंत्री रहने के दौरान ही भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी गई। भूपेंद्र चौधरी के स्थान पर पंकज चौधरी को प्रदेश भाजपा संगठन की कमान सौंपी गई है। भूपेंद्र चौधरी का भाजपा में बड़ा कद है। पार्टी उन्हें सम्मान जनक स्थान देगी। जाट बिरादरी से ताल्लुक रखने वाले भूपेंद्र चौधरी के बहाने जाट बेल्ट में पार्टी संदेश दे सकती है। उन्हें दोबारा कैबिनेट मंत्री बनाया जाएगा। सपा महासचिव आजम खां के गढ़ में भाजपा का परचम लहराने वाले आकाश सक्सेना के नाम को लेकर चचाओं का बाजार गर्म है। आजम के गढ़ में भाजपा आकाश को और तवज्जो दे सकती है। मुरादाबाद के कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र से उप चुनाव में रिकार्ड मतों से जीते ठाकुर रामवीर सिंह का नाम भी चर्चा में है। मुख्यमंत्री समेत पार्टी के बड़े नेता कई बार संबोधन मे कुंदरकी में रामवीर सिंह के जीत की मिसाल देते रहे हैं। देखना है कि इसमें किसकी किस्मत चमकती है। क्या गुजरात का प्रयोग यूपी में भी दोहराया जाएगा। ऐसी चर्चा ने कई मंत्रियों की नींद उड़ा दी है, तो बहुतों की उम्मीदों को पंख लगा दिए हैं। नये साल के आगाज के साथ ही भाजपा यूपी में मिशन-2027 की तैयारियां तेज कर देगी। संगठन से लेकर सरकार तक सबकुछ दुरुस्त करने की तैयारी है। संगठन के प्रमुख बदलाव के बाद अब जिलों और संगठनात्मक मंडलों में टीम बनाने की कवायद शुरू की जा रही है। भाजपा ने 2022 का विधानसभा चुनाव स्वतंत्रदेव सिंह के प्रदेश अध्यक्ष रहते लड़ा था और पूर्ण बहुमत से सरकार में वापसी की थी। भाजपा ने 2027 के चुनाव में जाने से पहले पंकज चौधरी के रूप में फिर कुर्मी चेहरे को प्रदेश संगठन की कमान सौंपकर पुराना टोटका फिर दोहराया है। 2022 के विधानसभा चुनाव में जाने से कुछ माह पहले भी मंत्रिमंडल विस्तार हुआ था। जातीय गुणा-गणित के तहत कई चेहरों को टीम योगी में शामिल किया गया था। कई मंत्रियों के कामकाज को लेकर तमाम शिकायतें हैं। कुछ से हाईकमान खुश नहीं है, तो कइयों से मुख्यमंत्री। यदि बदलाव हुआ तो कुछ विधायकों की लाटरी खुल सकती है। इसी चर्चा से कई मंत्री बेचैन हैं। चर्चा किसी दलित को तीसरा डिप्टी सीएम बनाए जाने की भी शुरू हो गई है।

*डिप्टी सीएम की डीएम को नसीहत*

## सतुआ बाबा की रोटी के चक्कर में न पड़ें...

**लखनऊ,।** प्रयागराज में माघ मेले की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का अलग अंदाज देखने को मिला। तैयारियों की सुस्त रफ्तार पर नाराजगी जताने के साथ डिप्टी सीएम ने प्रयागराज के डीएम मनीष कुमार वर्मा को ऐसी नसीहत दी, जिसकी चर्चा अब पूरे प्रशासनिक गलियारे और सोशल मीडिया पर हो रही है। इसका वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है।कुछ दिन पहले सीएम योगी के बेहद करीबी संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा के खाक चौक इलाके के शिविर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में डीएम जमीन पर चूल्हे के पास बैठकर रोटियां बेलते और सेंकते नजर आ रहे थे। किसी ने इसे डीएम की सादगी कहा तो किसी ने इसे एक श्पब्लिसिटी स्टंटश करार दिया। आज केशव मौर्य माघ मेले की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने पहुंचे तो अधिकारियों की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए। अभी तक तैयारी पूरी नहीं दिखी थी। निरीक्षण खत्म कर जब वे अपनी गाड़ी की ओर बढ़ रहे तो मजाकिया लहजे में डीएम से कहा कि ष्सतुआ बाबा की रोटी के चक्कर में मत पड़ोष। इस टिप्पणी पर मौजूद लोग अपनी हंसी नहीं रोक पाए, लेकिन प्रशासनिक हलकों में इसे एक कड़े संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। उनके कहने का सीधा तात्पर्य यह था कि अधिकारी प्रतीकात्मक गतिविधियों में समय गंवाने के बजाय मेले की जमीनी व्यवस्थाओं और बुनियादी ढांचे को सुधारने पर ध्यान दें। माघ मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और साधु-संतों की सुविधाएं सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। प्रशासन को केवल चुनिंदा शिविरों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उन सभी संतों की सुध लेनी चाहिए जो मेले में दूर-दराज से आते हैं। डिप्टी सीएम ने मेले की अधूरी तैयारियों पर असंतोष व्यक्त किया।

## उपचार के दौरान गर्भवती की मौत, परिजनों ने हंगामा किया

**लखनऊ,।** बंथरा थाना क्षेत्र स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में मंगलवार सुबह एक गर्भवती विवाहिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें समझा-बुझाकर शांत किया और बाद में शव परिजनों को सौंप दिया। मृतका की पहचान उन्नाव जिले के दही चौकी थाना अंतर्गत सराय कटियार गांव निवासी प्रदीप कुमार की 23 वर्षीय पत्नी अंजली देवी के रूप में हुई है। अंजली डेढ़ माह की गर्भवती थी और पिछले करीब 15 दिनों से ब्लीडिंग के साथ बीमार चल रही थी। मंगलवार तड़के करीब 4 बजे प्रदीप उसे बंथरा के जुनाबगंज स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में इलाज के लिए लाया। अस्पताल में भर्ती होने के बाद सुबह करीब 9 बजे इलाज के दौरान अंजली की मौत हो गई। अंजली की मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। बंथरा पुलिस को सूचना मिली तो वह मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए परिजनों को शांत किया। मृतका के पिता जयप्रकाश नारायण, जो उन्नाव के अचलगंज थाना अंतर्गत टीका खेड़ा जमुका निवासी हैं, ने बताया कि उन्होंने करीब 2 वर्ष पहले अपनी बेटी अंजली की शादी प्रदीप से की थी। अंजली गर्भवती होने के बाद करीब 15 दिनों से बीमार थी, जिसका इलाज पहले उन्नाव के एक अस्पताल में चल रहा था। हालत में सुधार न होने पर प्रदीप उसे बीती रात 2 बजे वहां से डिस्चार्ज कराकर प्रसाद हॉस्पिटल लाया था। जयप्रकाश नारायण ने बेटी के ससुराल वालों पर कोई आरोप नहीं लगाया। कहा कि अंजली की मौत बीमारी के कारण हुई है। उन्होंने अपनी बेटी का पोस्टमॉर्टम कराने से भी इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा भरकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

## काकोरी में पानी टंकी के पास चौकीदार का शव मिला

**लखनऊ,।** काकोरी कोतवाली क्षेत्र के पलेहनदा गांव में मंगलवार को जल निगम की टंकी परिसर में एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिला। मृतक की पहचान पलेहनदा निवासी श्यामू गौतम (45) पुत्र स्वर्गीय रामजीवन के रूप में हुई है। वह टंकी का चौकीदार था। जानकारी के अनुसार, श्यामू गौतम एक निजी ठेकेदार के माध्यम से जल निगम की टंकी पर चौकीदारी का कार्य करते थे। वह सोमवार रात को अपनी नियमित ड्यूटी पर गए थे। मंगलवार सुबह गांव के लोगों ने उन्हें मृत पाया, जिसके बाद परिजनों और पुलिस को सूचित किया गया। काकोरी पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस प्रथम दृष्टया इस मामले को संदिग्ध मान रही है। काकोरी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि मृतक की मौत के कारणों का स्पष्ट पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा।उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल परिजन की ओर से कोई लिखित आरोप नहीं लगाया गया है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। मृतक की पत्नी श्याम कुमारी ने बताया कि उनके पति प्रतिदिन की तरह रात में ड्यूटी पर गए थे।

# स्नातक,शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर कांग्रेस ने कसी कमर, 11 सीटों पर पर्यवेक्षक घोषित

**लखनऊ,।** उत्तर प्रदेश में होने वाले स्नातक और शिक्षक विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों को लेकर कांग्रेस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी इन चुनावों को संगठन को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने के अवसर के रूप में देख रही है। इसी क्रम में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने राज्य की 11 विधान परिषद सीटों के लिए पर्यवेक्षकों की घोषणा की। कांग्रेस नेतृत्व ने स्नातक और शिक्षक वर्ग को पार्टी से जोड़ने के उद्देश्य से वरिष्ठ नेताओं, सांसदों और पूर्व सांसदों को जिम्मेदारी सौंपी है। लखनऊ स्नातक और शिक्षक क्षेत्र के लिए किशोरी लाल शर्मा सांसद और पीएल पुनिया पूर्व सांसद को पर्यवेक्षक बनाया गया है। वहीं वाराणसी क्षेत्र की जिम्मेदारी भगवती प्रसाद चौधरी और पशुपति नाथ राय को दी गई है। आगरा क्षेत्र में कांग्रेस सांसद राकेश राठौर के साथ विवेक बंसल को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। मेरठ स्नातक और शिक्षक क्षेत्र के लिए इमरान मसूद सांसद और हरेन्द्र अग्रवाल को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इलाहाबाद स्नातक क्षेत्र में उज्जवल रमण सिंह सांसद और नसीमुद्दीन सिद्दीकी को पर्यवेक्षक बनाया गया है। इसके अलावा बरेली-मुरादाबाद क्षेत्र के लिए कुंवर दानिश अली और फूल कुंवर को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। गोरखपुर-फैजाबाद क्षेत्र में तनुज पुनिया सांसद और अखिलेश प्रताप सिंह को जिम्मेदारी दी गई है, जबकि मेरठ-सहारनपुर शिक्षक क्षेत्र के लिए बाकिर हुसैन उर्फ बाकर हुसैन को पर्यवेक्षक बनाया गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि स्नातक और शिक्षक विधान परिषद चुनाव लोकतंत्र का अहम हिस्सा हैं और पार्टी इन वर्गों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएगी।

## अपार्टमेंट में स्प्रे छिड़कने से डरे आवंटी,रूम स्प्रे लेकर पहुंची थी महिला

**लखनऊ,।** राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र स्थित इकबाल नगर के रजा अपार्टमेंट में बीती रात एक महिला घुसकर फ्लैटों के दरवाजे खटखटाने लगी और लोगों पर स्प्रे करने लगी। अचानक हुई इस घटना से अपार्टमेंट में रहने वाले लोग डर गए और शोर मचाने लगे। स्थानीय लोगों के अनुसार, शुरूआत में तीन संदिग्ध महिलाओं के अपार्टमेंट में घुसने की बात सामने आई थी। आरोप था कि महिलाएं अलग-अलग फ्लैटों के दरवाजे खटखटाकर अंदर मौजूद महिलाओं पर नशीला स्प्रे छिड़क रही थीं।

## संपादकीय

# कांग्रेस के संकट

निस्संदेह, देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस को फिलहाल बेहद मुश्किल दौर से गुजरना पड़ रहा है। चुनाव दर चुनाव उसका दायरा लगातार सिमटता ही जा रहा है। वहीं दूसरी ओर चुनावी मोर्चे पर भी कांग्रेस के लिए बीत रहा साल निराशाजनक ही रहा है। कांग्रेस पार्टी को दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त का सामना भी करना पड़ा है। हालांकि, पार्टी ने वोट चोरी मुहिम को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने का पुरजोर प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद उसके परंपरागत वोट फिर लौटकर नहीं आए। बल्कि इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों को भी सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिल सका। पार्टी के लिए आने वाला साल एक नई चुनौती लेकर आ रहा है। आने वाले साल में असम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसी स्थिति में कांग्रेस पार्टी के 140वें स्थापना दिवस पर शीर्ष नेतृत्व का आत्मविश्वास से भरा रवैया दिखाना स्वाभाविक ही कहा जाएगा। इस आयोजन के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो सदैव हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश व्यक्ति के हितों के लिए खड़ी रही है। वहीं इस दौरान कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़घे ने घोषणा की कि कांग्रेस एक विचारधारा का नाम है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं। लेकिन वास्तव में एक कड़वी सच्चाई यह है कि पार्टी के अस्तित्व पर संकट दिन-ब-दिन गहराता जा रहा है। पार्टी संगठन में असंतोष की आहटें साफ तौर पर सुनाई दे रही हैं। यह असंतोष किस हद जा पहुंचा है, हालिया घटनाक्रम इसकी पुष्टि करता है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की कुशल संगठनात्मक रणनीति की प्रशंसा और ट्विटर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए राजनीतिक परिदृश्य में हलचल मचा दी थी। निश्चय ही आम कार्यकर्ता पर इसका सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा होगा। दरअसल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने जमीनी स्तर पर कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। देखा जाए तो गाहे-बगाहे कांग्रेस संगठन से शीर्ष स्तर पर गहरे तक जुड़े रहे दिग्गज कांग्रेस नेताओं के पार्टी लाइन से हटकर दिए गये बयान पार्टी के लिए असहज स्थिति पैदा करते रहे हैं। जब कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह का भाजपा व आरएसएस की संगठनात्मक शक्ति को लेकर चौंकाने वाला बयान सार्वजनिक विमर्श में आया, तो उनके विचारों के प्रति शशि थरूर का संयमित समर्थन करता दृष्टिकोण भी सामने आया, जो यह भी दशार्ता है कि मौजूदा चुनौतियों के बीच कांग्रेस पार्टी संगठनात्मक शक्ति के पुनर्निर्माण के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं कर सकती। अक्सर कांग्रेस यह दावा भी करती रही है कि इतिहास, मूल्य और विचारधारा उसकी मूल पूंजी हैं। इस पूंजी को चुनावी लाभ में परिवर्तित किया जा सकता है या नहीं, यह बयानबाजी से कम और पार्टी में सुधार, संगठन के पुनर्गठन और जनता से प्रभावी ढंग से पुनरू जुड़ने की क्षमता पर अधिक निर्भर करता है। ऐसे समय में, जब राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा का एकछत्र वर्चस्व बना हुआ है और यह कह सकते हैं कि सभी क्षेत्रों में इसका दबदबा कायम है, भाजपा ने तो यहां तक कह दिया है कि कांग्रेस चापलूसों की सेना है। साथ ही उसे भारतीय लोकतंत्र की सबसे कमजोर कड़ी तक करार दे दिया है। निस्संदेह, यह आलोचना, जो काफी हद तक सच के करीब है, कांग्रेस को आत्ममंथन करने और मौजूदा स्थिति में बदलाव लाने के लिए भी प्रेरित करेगी। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि अपने एक सौ चालीस साल के इतिहास में कांग्रेस एक चुनौतीपूर्ण मोड़ पर खड़ी हुई है। ऐसे में इस पार्टी का पुनरुत्थान भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने के लिए विपक्ष की संभावनाओं की कुंजी भी साबित हो सकता है। विश्वास किया जाना चाहिए कि अतीत की विफलताओं से सबक लेकर कांग्रेस पार्टी नये साल में नये तेवरों के साथ जनता के दरबार में जाएगी।

# उन्नाव पीड़िता को थोड़ी राहत


कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, विशेष तथ्यों को देखते हुए, जहां दोषी एक अलग अपराध में भी सजा काट रहा है, हम दिल्ली हाईकोर्ट के 23 दिसंबर 2025 के आदेश को लागू करने पर रोक लगाते हैं। इस प्रकार, आरोपी को उक्त आदेश के तहत रिहा नहीं किया जाएगा इस फैसले से एक बड़ी राहत पीड़िता को मिली है, क्योंकि अब यह तो तय हो गया है कि बलात्कार के दोष में कुलदीप सिंह सेंगर जेल में ही रहेगा, अब भी पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के एक अलग मामले में वह 10 वर्ष की सजा काट ही रहा है। इसमें उसे जमानत नहीं मिली है और अगली सुनवाई 4 हफ्ते बाद है। लेकिन अगर इस मामले में भी जमानत मिल जाती तब तो पीड़िता के लिए खतरा और ज्यादा बढ़ जाता। सेंगर ने केवल एक नाबालिग मासूम का बलात्कार ही नहीं किया, बल्कि अपने राजनैतिक दबदबे का इस्तेमाल उसकी इंसाफ की लड़ाई को रोकने में भी किया।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन्नाव बलात्कार मामले में दोषी पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत पर रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने दिल्ली हाईकोर्ट के 23 दिसंबर के उस आदेश के लागू होने पर स्टे ऑर्डर जारी किया, जिसमें सेंगर की आजीवन कारावास की सजा निलंबित कर उन्हें अपील लंबित रहने तक जमानत दी गई थी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, विशेष तथ्यों को देखते हुए, जहां दोषी एक अलग अपराध में भी सजा काट रहा है, हम दिल्ली हाईकोर्ट के 23 दिसंबर 2025 के आदेश को लागू करने पर रोक लगाते हैं। इस प्रकार, आरोपी को उक्त आदेश के तहत रिहा नहीं किया जाएगा इस फैसले से एक बड़ी राहत पीड़िता को मिली है, क्योंकि अब यह तो तय हो गया है कि बलात्कार के दोष में कुलदीप सिंह सेंगर जेल में ही रहेगा, अब भी पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के एक अलग मामले में वह 10 वर्ष की सजा काट ही रहा है। इसमें उसे जमानत नहीं मिली है और अगली सुनवाई 4 हफ्ते बाद है। लेकिन अगर इस मामले में भी जमानत मिल जाती तब तो पीड़िता के लिए खतरा और ज्यादा बढ़ जाता। सेंगर ने केवल एक नाबालिग मासूम का बलात्कार ही नहीं किया, बल्कि अपने राजनैतिक दबदबे का इस्तेमाल उसकी इंसाफ की लड़ाई को रोकने में भी किया। इसलिए जब हाईकोर्ट ने सेंगर को जमानत दी थी, तो उसने इस नाइंसाफी के खिलाफ आवाज उठाई थी। उसका साथ देने के लिए, सामाजिक कार्यकर्ता योगिता भयाना सामने आईं। हालांकि यह देखकर बेहद अफसोस हुआ कि इंसाफ के लिए लड़ रहे इन लोगों को पुलिस प्रशासन ने कुचलने की तमाम कोशिशें कीं। इंडिया गेट से लेकर संसद और हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट के सामने तक जहां भी कुलदीप सेंगर को जमानत मिलने का विरोध करने के लिए पीड़िता के साथ लोग इकट्ठे हुए उन्हें वहां से बलपूर्वक भगाने की कोशिशें हुईं। समझ नहीं आता कि आखिर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों से किस बात का खतरा सरकार को दिखाई देता है। देश में कितने ही मामले ऐसे सामने आते हैं जहां गुंडे कभी रेस्तरां, कभी पार्क में बैठे




लोगों को परेशान करने, प्रताड़ित करने पहुंच जाते हैं। तब पुलिस पता नहीं कहां गायब हो जाती है। अभी देहरादून में अंजेल चकमा नाम के युवा को नस्लभेदी नफरत के कारण मार दिया गया। उसे चायनीज और मोमो जैसे शब्द बोलकर अपमानित किया गया। वह कहता रहा कि वह भारतीय है, फिर भी उसकी जान ले ली गई। हालांकि वह भारतीय न भी होता, सच में चीन या किसी और देश का नागरिक होता, तब भी नस्लीय नफरत और हिंसा के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। लेकिन ऐसे उत्पीड़न जब हो रहे होते हैं, तब पुलिस वहां नहीं पहुंचती। भाजपा के शासन में पुलिस का भी राजनीतिकरण करने के जो आरोप लगते हैं, वो ऐसी घटनाओं के बाद सही लगते हैं। कुलदीप सेंगर मामले में शर्मनाक बात यह है कि भाजपा के कई नेता उसके समर्थन में खुलकर आ गए हैं। ब्रजभूषण शरण सिंह ने सेंगर को जमानत देने का स्वागत किया था, योगी सरकार में मंत्री ओपी राजभर ने भी पीड़िता का मजाक उड़ाते हुए कहा था कि उसका घर उन्नाव में है तो दिल्ली में प्रदर्शन की क्या जरूरत। इसके बाद भाजपा पर कुलदीप सेंगर को राजनीतिक संरक्षण देने का जो आरोप लगा है, वह भी प्रमाणित होता दिखाई देता है। सब जानते हैं कि बलात्कार का गंभीर आरोप लगने के बावजूद लंबे समय तक कुलदीप सेंगर को गिरफ्तार नहीं किया गया। भाजपा ने लगातार इस मामले में लीपापोती की। अभी जमानत मिलने के बाद जब पीड़िता, उसकी मां और योगिता भयाना आदि विरोध के लिए सड़कों पर थे तो कुछ लोग सेंगर के समर्थन में पोस्टर लेकर उनसे भिड़ने आ गए। इनमें एक महिला भी थी, जो बार-बार कह रही थी कि इस मामले का राजनीतकरण किया जा रहा है। अफसोस की बात ये है कि मुख्यधारा का मीडिया ऐसे लोगों को बराबरी से कवरेज दे रहा था, मानो यही निष्पक्ष पत्रकारिता की कसौटी है। हालांकि एक पत्रकार ने सेंगर के समर्थन में आवाज उठा रही महिला से पूछ लिया कि आपकी बेटी के साथ ऐसा होता क्या तब भी आप बलात्कारी के लिए ऐसे ही सामने आती, तो वह महिला बिना जवाब दिए चली गई। इससे साफ समझ आ रहा है कि कैसे सेंगर के पक्ष में माहौल बनाकर पीड़िता के हौसले को कुचला जा रहा था। जहां तक मामले के राजनीतिकरण की बात है, तो पीड़िता किसी राजनीतिक दल से नहीं है, न ही उसे अपने लिए इंसाफ किसी राजनैतिक फायदे के लिए चाहिए। यह विशुद्ध नारी अस्मिता और मानवीय गरिमा की रक्षा की लड़ाई है, जिसमें बार-बार पीड़िता को कटघरे में खड़ा कर अन्याय को बढ़ाया जा रहा है।

# 2026 से पहले खुद में साइबर कानून की बुनियादी समझ पैदा करें

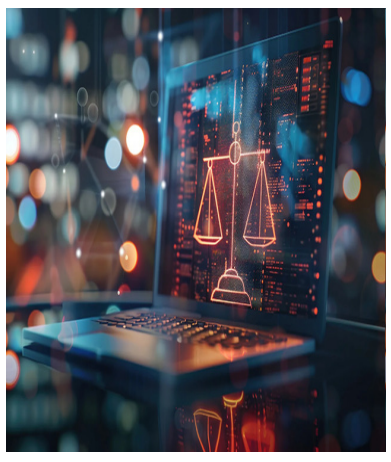




कुछ ही समय बाद अविनाश को बताया गया कि उनका आवेदन रिजेक्ट हो गया है और उन्हें कार्ड नहीं मिलेगा। लेकिन उनके पास 14.2 लाख रुपए का बिल पहुंचा दिया गया। अविनाश ने कहा कि इतनी बड़ी रकम खर्च करना तो दूर, उन्हें तो कार्ड ही नहीं मिला है। लेकिन बैंक अधिकारियों का कहना था कि कार्ड एक्टिव है और किसी अज्ञात व्यक्ति ने उससे कथित भुगतान भी किया है। रिकवरी एजेंट जब अविनाश के घर आने लगे तो 6 जुलाई 2023 को उन्होंने साइबर क्राइम पुलिस से संपर्क किया और बैंक के अधिकृत एजेंट के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। 10 जनवरी 2024 तक उन्हें पता चला कि इस फर्जी कार्ड के कारण उनका सिबिल स्कोर भी प्रभावित हुआ है। बैंक ने शुरूआत में कार्रवाई का भरोसा दिया, लेकिन बाद में चुप्पी साध ली। इधर, रिकवरी का दबाव बढ़ता जा रहा था। मजबूरन अविनाश ने 2024 में बैंक पर अनुचित व्यवहार का आरोप लगाते हुए उपभोक्ता आयोग में शिकायत की। नोटिस मिलने के बावजूद एक्सिस बैंक आयोग के समक्ष पेश नहीं हुआ और मामला एकतरफा चला। आयोग ने पाया कि बैंक ने न तो सही जांच की, न ही पुलिस में शिकायत दी और इन विसंगतियों के बावजूद रिकवरी के प्रयास जारी रखे। आयोग ने कथित एजेंट से वॉट्सएप चैट, रिकवरी रिकॉर्ड और पुलिस रिपोर्ट का हवाला देते हुए नवंबर 2025 में एक्सिस बैंक को 14.2 लाख रुपए की यह रिकवरी रोकने और मुकदमा खर्च के तौर पर 2 हजार रुपए चुकाने का आदेश दिया।


बेंगलुरु की एक फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनी में कार्यरत पोलेपल्ली अविनाश से 31 जनवरी 2023 को रिजवान नाम के एक व्यक्ति ने संपर्क किया। उसने खुद को एक्सिस बैंक प्रतिनिधि बताया और क्रेडिट कार्ड का ऑफर दिया। बैंक ने अविनाश से आधार, पैन और सैलरी स्लिप ले ली। कुछ ही समय बाद अविनाश को बताया गया कि उनका आवेदन रिजेक्ट हो गया है और उन्हें कार्ड नहीं मिलेगा। लेकिन उनके पास 14.2 लाख रुपए का बिल पहुंचा दिया गया। अविनाश ने कहा कि इतनी बड़ी रकम खर्च करना तो दूर, उन्हें तो कार्ड ही नहीं मिला है। लेकिन बैंक अधिकारियों का कहना था कि कार्ड एक्टिव है और किसी अज्ञात व्यक्ति ने उससे कथित भुगतान भी किया है। रिकवरी एजेंट जब अविनाश के घर आने लगे तो 6 जुलाई 2023 को उन्होंने साइबर क्राइम पुलिस से संपर्क किया और बैंक के अधिकृत एजेंट के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। 10 जनवरी 2024 तक उन्हें पता चला कि इस फर्जी कार्ड के कारण उनका सिबिल स्कोर भी प्रभावित हुआ है। बैंक ने शुरूआत में कार्रवाई का भरोसा दिया, लेकिन बाद में चुप्पी साध ली। इधर, रिकवरी का दबाव बढ़ता जा रहा था। मजबूरन अविनाश ने 2024 में बैंक पर अनुचित व्यवहार का आरोप लगाते हुए उपभोक्ता आयोग में शिकायत की। नोटिस मिलने के बावजूद एक्सिस बैंक आयोग के समक्ष पेश नहीं हुआ और मामला एकतरफा चला। आयोग ने पाया कि बैंक ने न तो सही जांच की, न ही पुलिस में शिकायत दी और इन विसंगतियों के बावजूद रिकवरी के प्रयास जारी रखे। आयोग ने कथित एजेंट से वॉट्सएप चैट, रिकवरी रिकॉर्ड और पुलिस रिपोर्ट का हवाला देते हुए नवंबर 2025 में एक्सिस बैंक को 14.2 लाख रुपए की यह रिकवरी रोकने और मुकदमा खर्च के तौर पर 2 हजार रुपए चुकाने का आदेश दिया।

एक अन्य घोटाले में ठगों ने मुंबई की एक महिला से 3.75 करोड़ रुपए हड़प लिए। एक व्यक्ति ने खुद को जस्टिस चंद्रचूड़ बताते हुए वर्चुअल कोर्ट सुनवाई कराई। उसने महिला से मनी लॉन्ड्रिंग केस को लेकर पूछताछ की और उसकी जमानत खारिज करने की बात कही। जबकि महिला कहती रही कि वह दोषी नहीं है। महिला से कहा गया कि वह अपनी पूरी संपत्ति जांच के लिए जमा कराए और सभी म्यूचुअल फंड भी रिडीम करे। अगस्त से अक्टूबर के बीच महिला ने 3.75 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर दिए। लेकिन पैसा वापस नहीं मिला तो वह पुलिस के पास पहुंची। जांच के बाद पुलिस ने सूरत के 46 वर्षीय जितेंद्र बियाणी को पकड़ा, जिसको बुजुर्ग महिला से ठगी गई रकम के 1.7 करोड़ रुपए मिले थे। हम कब समझेंगे कि भारतीय कानून में डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई अवधारणा नहीं है? कब जानेंगे कि आरबीआई नियमों के मुताबिक यदि हम क्रेडिट कार्ड से हुए अनधिकृत ट्रांजेक्शन की सूचना तीन कार्यदिवस में दे दें तो हमारी जिम्मेदारी शून्य हो जाती है? यदि बैंक 30 दिनों में शिकायत का समाधान नहीं करता या आपको नजरअंदाज करता है, जैसा एक्सिस बैंक के मामले में हुआ- तो मामला आरबीआई बैंकिंग लोकपाल तक ले जाना चाहिए।

हमें यह भी पता होना चाहिए कि सिबिल डिस्प्यूट रिजॉल्यूशन पोर्टल इस्तेमाल करके कोई भी अनधिकृत अकाउंट की शिकायत कर सकता है और मामला निपटने तक उसे हटाने की मांग कर सकता है। चूंकि डिजिटल लेनदेन अब जिंदगी का अनिवार्य हिस्सा बन चुका है तो हस्ताक्षर करके दिया गया हमारा हर दस्तावेज ठगों के हाथ में जाने का खतरा है। ऐसे में कानून की बुनियादी जानकारी से खुद को सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। पुलिस और कानूनी एजेंसियां आप-हम जैसे आम लोगों को धमकाने के लिए नहीं होतीं। वे हमारी सुरक्षा के लिए हैं। वो हमारे साथ ठगों के जैसे बात नहीं करते। वो तो अपराधियों से बात करने का लहजा होता है और हर आम आदमी अपराधी नहीं होता।

# वहीं मारो जहां काम बन जाए!


एक बच्चा मगरमच्छ को ऐसे मारेगा, तो क्या प्रतिक्रिया भी नहीं देगा? इस मामले में तो उसने प्रतिक्रिया नहीं दी क्योंकि उसके मुंह में, उस दिन की भूख के लिए मांस का बड़ा टुकड़ा था। 25 जुलाई, 2025 को, यूपी में आगरा से लगभग 70 किलोमीटर दूर बाह गांव का वीरभान अपनी बकरियों को चराने के लिए बाहर गया। दोपहर 2 बजे, वीरभान और उसके दो बच्चों को प्यास लगी। वह नदी से पानी लेने गया। उसने बेटे को छड़ी देकर बकरियों का ध्यान रखने कहा। उसके होश उड़ गए, जब एक विशाल मगरमच्छ उसकी ओर बढ़ा और अचानक दाहिना पैर पकड़कर पानी में खींचने लगा। उसका बेटा अजय राज निषाद, जो चौथी कक्षा का छात्र था, बिल्कुल नहीं हिचकिचाया। उसके पास लंबी छड़ी के अलावा कुछ नहीं था, जिससे उसने मगरमच्छ के शरीर पर वार पर वार किया, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। कुछ ही सेकंड में उस छोटे से दिमाग ने सोच लिया कि इतने बड़े शिकारी को रोकने के लिए, उसे वहीं मारना होगा जहां सबसे ज्यादा दर्द हो। अजय सीधे मगरमच्छ की आंख पर मारने लगा। तेज दर्द के कारण उस सरीसृप को अपनी पकड़ छोड़नी पड़ी और वह पीछे हट गया। अजय की सटीकता और साहस की कहानी, अब उन युवा भारतीयों की बढ़ती विरासत का हिस्सा है, जो समझते हैं कि एक छोटा-सा, सही जगह पर उठाया गया कदम किस्मत बदल सकता है। अजय सेना में शामिल होना चाहता है। इस सूझबूझ के लिए उसे पिछले हफ्ते दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार मिला। जान बचाने के लिए वहीं मारना जहां दर्द होता है- यही उसकी समझ, उसके साथ सम्मानित किए गए अन्य बहादुर बच्चों की कहानियों में भी गूंजती है।


कल्पना कीजिए, एक 9 साल का बच्चा हाथ में छड़ी लेकर, विशालकाय मगरमच्छ को एक बार नहीं, बल्कि 15 बार छड़ी से मारते हुए चिल्ला रहा है, छोड़ दो। क्या आपको लगता है कि मगरमच्छ सुनेगा? जाहिर है, नहीं सुनेगा। एक बच्चा मगरमच्छ को ऐसे मारेगा, तो क्या प्रतिक्रिया भी नहीं देगा? इस मामले में तो उसने प्रतिक्रिया नहीं दी क्योंकि उसके मुंह में, उस दिन की भूख के लिए मांस का बड़ा टुकड़ा था। 25 जुलाई, 2025 को, यूपी में आगरा से लगभग 70 किलोमीटर दूर बाह गांव का वीरभान अपनी बकरियों को चराने के लिए बाहर गया। दोपहर 2 बजे, वीरभान और उसके दो बच्चों को प्यास लगी। वह नदी से पानी लेने गया। उसने बेटे को छड़ी देकर बकरियों का ध्यान रखने कहा।

उसके होश उड़ गए, जब एक विशाल मगरमच्छ उसकी ओर बढ़ा और अचानक दाहिना पैर पकड़कर पानी में खींचने लगा। उसका बेटा अजय राज निषाद, जो चौथी कक्षा का छात्र था, बिल्कुल नहीं हिचकिचाया। उसके पास लंबी छड़ी के अलावा कुछ नहीं था, जिससे उसने मगरमच्छ के शरीर पर वार पर वार किया, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। कुछ ही सेकंड में उस छोटे से दिमाग ने सोच लिया कि इतने बड़े शिकारी को रोकने के लिए, उसे वहीं मारना होगा जहां सबसे ज्यादा दर्द हो। अजय सीधे मगरमच्छ की आंख पर मारने लगा। तेज दर्द के कारण उस सरीसृप को अपनी पकड़ छोड़नी पड़ी और वह पीछे हट गया। अजय की सटीकता



और साहस की कहानी, अब उन युवा भारतीयों की बढ़ती विरासत का हिस्सा है, जो समझते हैं कि एक छोटा-सा, सही जगह पर उठाया गया कदम किस्मत बदल सकता है। अजय सेना में शामिल होना चाहता है। इस सूझबूझ के लिए उसे पिछले हफ्ते दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार मिला। जान बचाने के लिए वहीं मारना जहां दर्द होता है- यही उसकी समझ, उसके साथ सम्मानित किए गए अन्य बहादुर बच्चों की कहानियों में भी गूंजती है। केरल के मोहम्मद सिदान पी को ही लें। जब उसके दो दोस्त अचानक एक जिंदा बिजली के तार की चपेट में आ गए, तो 11 साल का मोहम्मद घबराया नहीं और न ही जानलेवा तार को सीधे छुआ। उसने बड़ी सटीकता से खतरे के स्रोत पर एक सूखी चीज मारकर, अपने दोस्तों को करंट से अलग किया। इलेक्ट्रिकल कनेक्शन पर वहीं वार किया, जहां सबसे ज्यादा चोट लगती है यानी उसने सर्किट को तोड़ा और दो जानें बच गईं। साल 2024 की शुरूआत में, महाराष्ट्र के अमरावती की 17 साल की करीना थापा ने एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में लगी भीषण आग के दौरान 70 परिवारों को बचाया। उसने देखा कि एक जलते हुए फ्लैट में, गैस सिलेंडर फंसा है। यह जानते हुए कि एक धमाके से दर्जनों की जान जा सकती है, उसने घने धुएं के बीच भारी सिलेंडर को आग की लपटों से दूर खींचा। उसकी बहादुरी उस समय सबसे ज्यादा काम आई, क्योंकि सबसे बड़े खतरे को हटाने पर उसके फोकस ने तबाही को रोक दिया। साल 2010 में, उत्तराखंड का 10 साल का प्रियांशु जोशी अपनी बहन के साथ स्कूल से लौट रहा था, तभी अचानक तेंदुए ने हमला कर दिया। उसे पता था कि बहन की रक्षा के लिए तुरंत लड़ना होगा।

# मनोरंजन

## शुभमन गिल नही अश्विन ने इन खिलाड़ियों को 2025 का असली गेमचेंजर बताया

चेन्नई। रविचंद्रन अश्विन के अनुसार 2025 में भारत के लिए सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी गिल नहीं, बल्कि वरुण चक्रवर्ती और अभिषेक शर्मा रहे। वरुण ने गेंद से लगातार मैच जिताए, जबकि अभिषेक ने टी20 में भारत की बल्लेबाजी को नया आयाम दिया। पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने साल 2025 में भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों को लेकर बड़ा खुलासा किया है। अपने यूट्यूब चैनल 'एश की बात' पर बात करते हुए अश्विन ने इस साल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल नहीं, बल्कि उनकी जगह दो अन्य खिलाड़ियों को भारत का स्टैंडआउट परफॉर्मर बताया। अश्विन की नजर में इस साल भारत के लिए सबसे बड़ा असर छोड़ने वाले खिलाड़ी रहे वरुण चक्रवर्ती और अभिषेक शर्मा। वरुण चक्रवर्तीः भारत के बॉलर ऑफ द ईयर अश्विन ने साफ शब्दों में कहा, 'मैं वरुण चक्रवर्ती को भारत का बॉलर ऑफ द ईयर चुनूंगा।

## कौन हैं खुशी मुखर्जी जिन्होंने सूर्यकुमार यादव पर लगाया आरोप? कई बार विवादों में रहीं

सोशल मीडिया पर अपनी अतरंगी ड्रेसेस को लेकर चचाओं में रहने वाली खुशी मुखर्जी ने हाल ही में क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव को लेकर एक ऐसा बयान दे दिया है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर हलचल मच गई है। आखिर कौन हैं खुशी, चलिए जानते हैं। सोशल मीडिया पर अपने अतरंगी कपड़ों की वजह से सुर्खियां बटोरने वालीं खुशी मुखर्जी के एक बयान ने हर तरफ हलचल मचा दी है। दरअसल खुशी मुखर्जी ने दावा किया है कि भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव कभी उन्हें मैसेज किया करते थे। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि कई क्रिकेटर्स उनके संपर्क में रहने की कोशिश कर चुके हैं। इस बयान के सामने आते ही फैंस के बीच बहस तेज हो गई है और हर कोई यह जानना चाहता है कि आखिर खुशी मुखर्जी हैं कौन। कौन हैं खुशी मुखर्जी? खुशी मुखर्जी का जन्म 24 नवंबर 1996 को कोलकाता में हुआ था। बंगाल में जन्मी खुशी ने बेहद कम उम्र में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। उनका सपना शुरू से ही फिल्मों में काम करने का था और इसी जुनून ने उन्हें साउथ फिल्म इंडस्ट्री तक पहुंचा दिया। साल 2013 में तमिल फिल्म से उन्होंने अपने करियर की शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने तेलुगु सिनेमा में भी काम किया और धीरे-धीरे पहचान बनानी शुरू की। हिंदी इंडस्ट्री का किया रुख साउथ में अनुभव लेने के बाद खुशी ने हिंदी इंडस्ट्री का रुख किया। फिल्मों के साथ-साथ उन्होंने टीवी की दुनिया में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। एमटीवी के पॉपुलर रियलिटी शोज में नजर आने के बाद उन्हें युवा दर्शकों के बीच खास पहचान मिली। पौराणिक धारावाहिकों से लेकर फैंटेसी और फैमिली शोज तक, खुशी ने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और खुद को सीमित दायरे में नहीं बांधा। हालांकि असली सुर्खियां उन्हें तब मिलीं जब उन्होंने बोल्ड वेब सीरीज में काम करना शुरू किया। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर आई उनकी वेब सीरीज ने उन्हें एक अलग तरह की लोकप्रियता दिलाई, लेकिन इसके साथ विवाद भी जुड़े। सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा, उनके कपड़ों और बयानों को लेकर लगातार चर्चा होती रही। इसके बावजूद खुशी ने कभी पीछे हटने का रास्ता नहीं चुना। खुशी मुखर्जी के इंटरव्यू से मची सनसनी हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू में खुशी मुखर्जी ने क्रिकेटर्स को लेकर जो बातें कहीं, उन्होंने नई बहस को जन्म दे दिया। उन्होंने साफ कहा कि वह किसी भी क्रिकेटर के साथ नाम जोड़े जाने में दिलचस्पी नहीं रखतीं और लिंक-अप कल्चर से दूर रहना चाहती हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब सूर्यकुमार यादव अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को लेकर हमेशा पॉजिटिव इमेज में नजर आते रहे हैं।

## आयरा खान का मोटापा बना पति नूपुर संग रिश्ते में परेशानी! दर्द बयां कर बोलीं-मेरे रिश्ते को लेकर स्ट्रगल कर रही हूं

आमिर खान की बेटी आयरा खान अक्सर अपनी परेशानियों को लेकर खुलकर बात करती नजर आती हैं। वह कई बार अपने डिप्रेशन से जूझने के बारे में बात कर चुकी हैं। अब हाल ही में आयरा ने अपने बढ़े वजन और बॉडी इमेज इश्यू को लेकर बात की है। आयरा खान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कहती नजर आ रही हैं-चलिए सबसे बड़ी परेशानी पर बात करते हैं। हां, मैं. मैं मोटी हूं। मैं अपनी अपनी उम्र और हाईट से ज्यादा मोटी हूं। मैं 2020 से अपनी बॉडी इमेज ईश्यूज और खाने के साथ मेरे रिश्ते को लेकर स्ट्रगल कर रही हूं। पहले मैं डिप्रेशन से जूझ रही थी इसीलिए इसे लेकर बात करने में मैं कम्फर्टेबल नहीं थी। तो मुझे नहीं पता कि ये कैसे होने वाला है। ये मेरे दोस्तों की जिंदगी में शामिल होने की मेरी क्षमता और पति नूपुर शिखरे के साथ मेरे रिश्ते, मेरी सेल्फ-वर्थ, काम और हर चीज को लेकर मेरे सामने आ रहा है। आगे उन्होंने कहा, ये उतना ही इंटेंस है जितना मेरा डिप्रेशन कभी-कभी मेरी लाइफ में दखल देता था। कभी-कभी अब भी देता है। इसी कारण से मैं इसके बारे में बात करना चाहती हूं। मैं उस सबके बारे में बात करना चाहती हूं जिससे मैं जूझ रही हूं। मुझे उम्मीद है कि इससे मुझे मदद मिलेगी। मेरी सलाह है कि कमेंट सेक्शन में न जाएं। अगर आप जाते हैं, तो अपने रिस्क पर। आयरा बोलीं-,हां, मैं कब से मोटी या अनफिट होने के बीच झूल रही थी। मैं ओवरवेट हो गई और 2020 से मोटी हूं। इसे लेकर बहुत कुछ कहने को है। मुझे लगता है कि छोटा सा भी चेंज आपके लिए अच्छा है। इसीलिए मैंने इसके बारे में बात करने का सोचा। जब मैंने अपने डिप्रेशन के बारे में बात की थी उस वक्त मैं उतनी कॉन्फिडेंट नहीं थी, लेकिन मुझे लगता है कि इसे लेकर बात की जानी चाहिए। मुझे ईटिंग डिसऑर्डर नहीं है। न ही मैं एक्सपर्ट हूं। सिर्फ अपना एक्सपीरियंस शेयर कर रही हूं। आयरा खान का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और यूजर्स इस पर रिएक्ट भी करते नजर आ रहे हैं।

## दिल्ली हाईकोर्ट ने एनटीआर को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर पहचान के गलत इस्तेमाल से सुरक्षा दी

डिजिटल दौर में सेलिब्रिटी अधिकारों को मजबूती देने वाले एक अहम फैसले में, भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में शामिल एनटीआर को दिल्ली हाईकोर्ट से कानूनी सुरक्षा मिली है। दरअसल, कोर्ट ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर उनके नाम, तस्वीर और पहचान के बिना इजाजत इस्तेमाल पर रोक लगाई है। ह्यमैन ऑफ द मासेस के नाम से मशहूर इस अभिनेता ने सोशल मीडिया और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर अपनी पहचान के गलत इस्तेमाल को लेकर अदालत का रुख किया। याचिका के अनुसार, इस तरह का बिना अनुमति किया गया इस्तेमाल न सिर्फ उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचा रहा था, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डीपफेक और बदले हुए डिजिटल कंटेंट के इस दौर में उनकी छवि के लिए भी गंभीर खतरा बन गया था। इन चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने इस याचिका को सूचना प्रौद्योगिकी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस और डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नियम, 2021 के तहत माना। अदालत ने संबंधित डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया कि वैध शिकायत मिलने पर उल्लंघन करने वाले कंटेंट को तुरंत हटाया जाए, उस तक पहुंच रोकी जाए या उसे सीमित किया जाए। इस आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए ने न्यायपालिका का आभार जताया और कहा, मैं माननीय दिल्ली हाईकोर्ट का धन्यवाद करता हूं, जिसने आज के डिजिटल माहौल में मेरे पर्सनैलिटी राइट्स की रक्षा के लिए यह सुरक्षात्मक आदेश दिया।

## सलमान खान के बर्थडे पर था मेले जैसा माहौल, भांजी आयत संग लिया झूला, खुद हाथों से भेल बनाते दिखे भाईजान

सुपरस्टार सलमान खान और उनकी भांजी आयत खान का जन्मदिन एक ही दिन, यानी 27 दिसंबर को होता है। इस साल सलमान खान ने अपना 60वां जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाया। उन्होंने दोस्तों और परिवार के लिए एक शानदार पार्टी होस्ट की, लेकिन इस खास दिन पर अपनी नन्ही भांजी आयत के लिए भी उन्होंने कुछ बेहद खास इंतजाम किए। पनवेल स्थित उनका फार्महाउस किसी मेले की तरह सजाया गया, जहां बच्चों के मनोरंजन के लिए कई तरह के झूले, खेल और खाने-पीने के स्टॉल लगाए गए थे, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि सलमान खान अपनी भांजी के साथ फेरिस व्हील झूले पर बैठे नजर आ रहे हैं। दोनों झूला झूलते हुए खूब

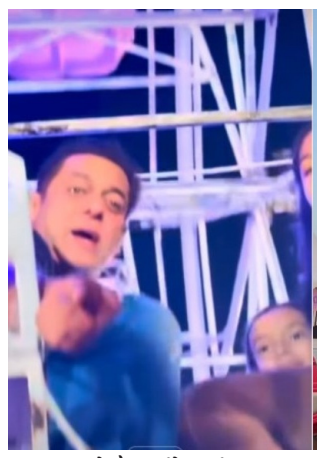

मस्ती कर रहे हैं। बर्थडे पार्टी की कुछ इनसाइड तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिनमें पनवेल फार्महाउस का नजारा किसी रंग-बिरंगे मेले जैसा दिख रहा है। बच्चों के लिए बड़े-बड़े टेडी बियर, मशहूर कार्टून कैरेक्टर के सॉफ्ट टॉयज और तरह-तरह के झूले लगाए गए थे। खाने-पीने के लिए भी अलग-अलग स्टॉल नजर आए, जहां बच्चों और बड़ों दोनों के लिए खास इंतजाम किए गए थे। पार्टी से जुड़ा एक और वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा ने सलमान खान का वीडियो शेयर किया, जिसमें वह खुद काउंटर के पीछे खड़े होकर मेहमानों के लिए अपने हाथों से भेल बनाते दिखाई दे रहे हैं। सलमान का यह देसी अंदाज फैंस को खूब भा रहा है और लोग उनकी सादगी की तारीफ कर रहे हैं।

## जब वैष्णो देवी भवन में फर्श पर सोए थे राजेश खन्ना, डिब्बा लेकर टॉयलेट की लाइन में हुए थे खड़े

हिंदी फिल्म जगत में अपने अभिनय से लोगों को दीवाना बनाने वाले अभिनेता तो कई हुए और दर्शकों ने उन्हें स्टार कलाकार माना पर सत्तर के दशक में राजेश खन्ना पहले ऐसे अभिनेता के तौर पर अवतरित हुए जिन्हें दर्शको ने ह्यसुपर स्टारश की उपाधि दी। वर्ष 1966 से 1969 तक राजेश खन्ना फिल्म इंडस्ट्री मे अपनी जगह बनाने के लिये संघर्ष करते रहे। 1983 की फिल्म अवतार से इंडियन सिनेमा के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना ने वापसी की थी। यह फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर बहुत बड़ी हिट साबित हुई और इससे उस स्टार का करियर फिर से शुरू हो गया, जिसे 1970 के दशक के आखिर में मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। इस जबरदस्त

सफलता ने सुपरस्टार के तौर पर उनकी जगह को और मजबूत किया। इस फिल्म के बाद राजेश खन्ना की सौतन और अगर तुम ना होते जैसी और भी हिट फिल्में आईं। कुछ साल पहले शबाना आजमी ने बताया था कि कैसे डायरेक्टर मोहन कुमार की फिल्म श्अवतारश ने उनके और राजेश खन्ना के लिए कई मुश्किलें खड़ी कीं। एक्ट्रेस ने बताया कि फिल्म का सबसे पसंदीदा गाना, चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है, ने दोनों को सच में कड़ी परीक्षा में डाल दिया था। यह गाना आज भी बहुत पॉपुलर है, खासकर वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले भक्तों के बीच, लेकिन इसे शूट करना एक बहुत बड़ी चुनौती थी। शबाना ने बताया कि याद किया कि मंदिर तक पहुंचने के लिए उन्हें ट्रेकिंग करनी पड़ी थी क्योंकि उस समय हेलीकॉप्टर सर्विस नहीं थी। टॉयलेट न होने की वजह से हालात और भी मुश्किल हो गए थे। शबाना आजमी का कहना था था-क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि राजेश खन्ना, एक सुपरस्टार, डालडा के डिब्बों के साथ लाइन में खड़े हों? उस समय बहुत ठंड भी थी। हम धर्मशालाओं में फर्श पर सोते थे। हमारे पास गद्दे थे जिन पर लगभग 12 कंबल की परतें थीं। हम खुद को ढकने के लिए छह कंबल की परतों का इस्तेमाल करते थे, और फिर भी हमें ठंड लगती थी। उस समय, राजेश खन्ना ऐसा नहीं कह सकते थे कि मैं एक सुपरस्टार हूं। हम सबने इसे उसी भावना से किया। शबाना आजमी ने सुपरस्टार राजेश खन्ना के साथ सात फिल्मों में काम किया और सेट के बाहर भी उनके साथ उनकी अच्छी दोस्ती थी। एक इंटरव्यू में, शबाना ने एक मजेदार पल याद करते हुए बताया कि एक बार राजेश लंगड़ाते हुए और टखने पर पट्टी बांधकर शूटिंग पर आए थे।

## परिवार ने तलाक के फैसले का किया था विरोध, मलाइका का खुलासा कहा- महिलाओं पर उठते हैं सवाल; शादी पर कही ये बात

मलाइका अरोड़ा ने साल 2017 में पति अरबाज खान से तलाक ले लिया था। अब लगभग 8 साल बाद मलाइका ने बताया कि उनके फैसले का उस वक्त उनके परिवार ने भी विरोध किया था। साथ ही उन्होंने समाज पर भी तंज कसा। जानिए एक्ट्रेस ने युवाओं की दी क्या सलाह इन दिनों तलाक और शादी टूटने की खबरें ज्यादा आ रही हैं। हालांकि, अब तलाक को काफी हद तक समाज में स्वीकार किया जाने लगा है, लेकिन अभी भी देश के कई हिस्सों में तलाक एक टैबू बना हुआ है। अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा का भी ये मानना है कि कुछ साल पहले जब उन्होंने पति अरबाज खान से अलग होने और तलाक लेने का फैसला लिया था, तब उन्हें भी परिवार और समाज की ओर से ताने सुनने को मिले थे। लोगों ने मेरे हर फैसले का किया विरोध ईंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान मलाइका ने अपने तलाक के वक्त को याद किया। एक्ट्रेस ने बताया कि मुझे न सिर्फ जनता से, बल्कि अपने दोस्तों और परिवार से भी आलोचना और विरोध का सामना करना पड़ा था। उस समय मेरे हर फैसले पर सवाल उठाए गए। फिर भी मुझे खुशी है कि मैं अपने फैसलों पर अडिग रही। मुझे कोई पछतावा नहीं है। मुझे नहीं पता था कि आगे क्या होने वाला है। मुझे नहीं पता था कि आगे क्या होगा। लेकिन उस समय मुझे पता था कि मुझे अपने जीवन में यह कदम उठाना ही होगा। मुझे लगा कि मेरे लिए खुश रहना जरूरी है। लेकिन कोई इसे नहीं समझता। वे कहते हैं, 'आप अपनी खुशी को सबसे पहले कैसे रख सकती हैं?' लेकिन मैं अकेले रहने में ठीक थी। ज्यादा से ज्यादा क्या होता? कुछ समय के लिए काम नहीं मिलता। पुरुषों से नहीं पूछे जाते सवाल मलाइका ने लोगों की उस सोच पर भी निशाना साधा, जो पुरुषों से जीवन और करियर में विकल्प चुनने पर कोई सवाल नहीं करते।

## हर एक्शन हीरो के पीछे एक पत्नी होती है..ट्विंकल खन्ना के बर्थडे पर अक्षय कुमार का फनी पोस्ट, यूं बनाया मिसेज के दिन को खास

बॉलीवुड के सबसे चहेते कपल्स में शुमार अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना अपनी मस्तीभरी केमिस्ट्री के लिए हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। दोनों सोशल मीडिया पर अक्सर एक-दूसरे के लिए प्यार और ह्यूमर से भरे पोस्ट शेयर करते हैं, जिन्हें फैंस खूब पसंद करते हैं। वहीं, हाल ही में अक्षय ने पत्नी ट्विंकल खन्ना के बर्थडे पर ऐसा ही एक खास और मजेदार पोस्ट शेयर किया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। ट्विंकल खन्ना के 52वें जन्मदिन को अक्षय कुमार ने बेहद अलग और हंसाने वाले अंदाज में सेलिब्रेट किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों

ब्लैक आउटफिट में नजर आ रहे हैं। फोटो में ट्विंकल सीरियस चेहरे के साथ अक्षय की ओर किक मारती दिखती हैं, जबकि अक्षय हंसते हुए उनका पैर थामे हुए नजर आते हैं। यह तस्वीर ने दोनों के रिश्ते की मस्ती और आत्मीयता को खूबसूरती से बयां करती दिखती है। तस्वीर के साथ अक्षय कुमार ने अपनी एक्शन हीरो वाली छवि पर भी चुटकी ली। उन्होंने लिखा-हर एक्शन हीरो के पीछे एक पत्नी होती है, जो उसे एक नजर या एक किक में ही ढेर कर सकती है। मिसेज फनीबोन्स, तुम मुझे किसी भी स्टंट से ज्यादा जोर से मारती हो। जन्मदिन मुबारक हो, लव यू। इस पोस्ट के वायरल होते ही मजेदार रिएक्शन भी सामने आने लगे। किसी ने ट्विंकल को मिसेज खिलाड़ी कुमार कहा, तो किसी ने अक्षय को दोबारा फुल-फॉर्म में एक्शन फिल्म साइन करने की सलाह दे डाली। कई फैंस ने इस जोड़ी को परफेक्ट कपल बताते हुए कहा कि ये दोनों सच में मेड फॉर ईच अदर हैं। बता दें, अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना ने जनवरी 2001 में शादी की थी। दोनों दो बच्चों के पेरेंट्स हैं- बेटा आरव और बेटी नितारा। फिल्मों से दूरी बनाकर ट्विंकल ने लेखन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने मिसेज फनीबोन्स से बतौर लेखिका शुरूआत की और इसके बाद कई चर्चित किताबें लिखीं, जिनमें द लीजेंड ऑफ लक्ष्मी प्रसाद, पजामाज आर फॉरगिविंग और वेलकम टू पैराडाइज शामिल हैं।

## ताजा रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेटरों का जलवा शेफाली-रेणुका की छलांग

दुबई। आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग के ताजा अपडेट में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा साफ दिखा। शेफाली वर्मा और रेणुका सिंह ठाकुर ने शानदार छलांग लगाई, जबकि दीप्ति शर्मा गेंदबाजों में नंबर-1 बनी रहीं। भारत का यह मजबूत प्रदर्शन इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2026 से पहले टीम के आत्मविश्वास को और मजबूती देता है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की आक्रामक ओपनर शेफाली वर्मा ने आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शानदार छलांग लगाई है। 21 वर्षीय शेफाली नवीनतम बल्लेबाजी रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में लगातार अर्धशतकीय पारियों ने उनकी रैंकिंग में यह उछाल दिलाया। शेफाली ने दूसरे टी20 में 34 गेंदों पर नाबाद 69 रन बनाए, इसके बाद तिरुवनंतपुरम में खेले गए तीसरे और चौथे मुकाबले में क्रमशः 42 गेंदों पर नाबाद 79 और 46 गेंदों पर नाबाद 79 रन की विस्फोटक पारियां खेलीं। इन प्रदर्शनों ने उन्हें फिर से दुनिया की शीर्ष बल्लेबाजों में शुमार कर दिया है। स्मृति मंधाना स्थिर, जेमिमा को झटका भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने अपने फॉर्म में वापसी करते हुए

# ताइवान पर चीन की अमेरिका को कड़ी चेतावनी

**बीजिंग/मास्को।** ताइवान को लेकर चीन ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है। चीन ने कहा कि वह पहले हमला नहीं करेगा, लेकिन उकसाए जाने पर ऐसा जवाब देगा कि दोबारा हमला संभव नहीं होगा। चीन ने बहुत ही सख्त और चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि यदि अमेरिका यह मानता है कि वह चीन को सैन्य दबाव, टेक्नोलॉजी प्रतिबंधों या गठबंधन राजनीति से झुका सकता है, तो यह एक गंभीर रणनीतिक भूल होगी। चीन की सरकारी मीडिया ने विक्टर गाओ,जो चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े थिंक-टैंक सीसीपी के सेंटर फॉर चाइना एंड ग्लोबलाइजेशन के उपाध्यक्ष हैं, के हवाले से कहा है कि चीन की संप्रभुता से जुड़े मामलों में किसी भी बाहरी हस्तक्षेप का जवाब चीन अपनी शर्तों पर देगा। परमाणु क्षमता को लेकर परोक्ष संदेश गाओ का यह बयान अमेरिका की ओर से ताइवान को दी गई सैन्य सहायता के संदर्भ में देखा जा रहा है। चीन की सरकारी



मीडिया आउटलेट्स ग्लोबल टाइम्स, सीजीटीएन और पार्टी-लाइन समर्थक विश्लेषणों ने एक बार फिर एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सामरिक तनाव को केंद्र में ला दिया है। चीनी थिंक-टैंक विशेषज्ञ और सरकारी नैरेटिव के प्रमुख प्रवक्ता माने जाने वाले विक्टर गाओ ने अमेरिका और उसके सहयोगियों को यह कहते हुए अप्रत्यक्ष चेतावनी दी है कि अगर चीन को किसी ने छेड़ा, तो उसका करारा जवाब दिया जाएगा। ताइवान को लेकर बढ़ते दबाव, सैन्य गठबंधनों और तकनीकी प्रतिबंधों के बीच आए इन बयानों ने अंतरराष्ट्रीय सामरिक संस्थाओं और परमाणु विशेषज्ञों को भी खुलकर प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर किया है। गाओ ने कहा कि चीन पहले परमाणु हमला नहीं करेगा, लेकिन यदि कोई देश पहले हमला करने की हिमाकत करता है, तो चीन उसे दूसरा वार करने की स्थिति में नहीं छोड़ेगा। गाओ के अनुसार चीन के पास ऐसी उन्नत मिसाइल क्षमताएं हैं जो 20 मिनट के भीतर दुनिया के किसी भी हिस्से में भारी तबाही मचा सकती हैं। हमले की स्थिति में हमारी इन मिसाइलों को रोक पाना किसी देश के वश में नहीं है। इसी क्रम में उन्होंने चीन के कथित सामरिक हथियारों का उल्लेख करते हुए यह भी कहा कि चीन के पास एम-61 नामक एक ऐसी मिसाइल है जो 60 परमाणु वारहेड और एक हाइड्रोजन बम ले जाने और सटीक निशाना लगाने में सक्षम है। सितंबर 25 में विक्ट्री डे परेड के दौरान दुनिया हमारी ताकत देख चुकी है। ताइवान से सीधे युद्ध में चीन के साथ खड़े होने का रूस से संकेत इसी पृष्ठभूमि में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि यदि ताइवान को लेकर युद्ध होता है और चीन के खिलाफ कोई तीसरा देश सीधे हस्तक्षेप करता है, तो रूस चीन की प्रत्यक्ष मदद करेगा। हालांकि रूस ने इसे औपचारिक सैन्य प्रतिबद्धता के रूप में परिभाषित नहीं किया, लेकिन पश्चिमी विश्लेषकों का मानना है कि यह बयान चीन-रूस रणनीतिक धुरी को राजनीतिक समर्थन देने का संकेत है। अंतरराष्ट्रीय सामरिक संस्थाओं की राय वैश्विक सामरिक संस्थाएं इन बयानों को राजनीतिक संदेश और मनोवैज्ञानिक दबाव के रूप में देख रही हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट (सिप्री) और इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज (आई आई एस एस) दोनों का कहना है कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध विश्वसनीय डेटा में एम-61 नामक किसी चीनी मिसाइल प्रणाली की स्वतंत्र पुष्टि नहीं होती। ऐसे में साफ है कि चीन मामले में मनोवैज्ञानिक दबाव बना रहा है।

# दुल्हन खरीद का खेल बेनकाब, नेपाल ने 4 चीनी नागरिकों को निकाला

**बीजिंग।** नेपाल में दुल्हन खरीद के आरोपों के बीच सरकार ने चार चीनी नागरिकों को निष्कासित किया। चीनी दूतावास ने अपने नागरिकों को सीमा-पार शादी सौदों से दूर रहने की चेतावनी दी। नेपाल ने चीन से लड़कियों की विवाह दलाली के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, नेपाल सरकार ने यह कदम चीनी दलालों के नेपाली महिलाओं को अपने नागरिकों के लिए संभावित दुल्हन के तौर बेचने की खबरों के बाद उठाया है। जांच में सामने आए चौंकाने वाले खुलासे चीनी दलालों के खिलाफ की गई कार्रवाई के क्रम में बीते माह भी नेपाल के आव्रजन अधिकारियों ने काठमांडू



में किराए के फ्लैटों में कई युवा नेपाली महिलाओं को चीनी नागरिकों के साथ रहते हुए पाया। इससे नेपाली अधिकारियों को संगठित दुल्हन खरीद नेटवर्क की आशंका हुई। पूछताछ में चीनी नागरिकों ने माना कि उन्होंने महिलाओं के साथ अंतरंग वीडियो बनाए और उन्हें चीन में दोस्तों तथा सोशल मीडिया पर साझा किया। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वीडियो का मकसद क्या था। जांच के बाद नेपाल सरकार ने वीजा नियमों के उल्लंघन के आरोप में चार चीनी नागरिकों को देश से निष्कासित कर दिया। चीनी दूतावास की सख्त चेतावनी अधिकारियों ने कहा कि चीन में जबरन शादी के आरोपों में आपराधिक मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। इस बीच, नेपाल स्थित चीनी दूतावास ने नए साल का यात्रा परामर्श जारी कर अपने नागरिकों को दुल्हन खरीद से दूर रहने की चेतावनी दी है। दूतावास ने कहा कि धोखाधड़ी या मुनाफे के लिए की जाने वाली सीमा-पार मैचमेकिंग चीनी कानून के तहत अवैध है। 5,000 से 1.88 लाख युआन तक की डील कुछ एजेंसियां 5,000 से 1,88,000 युआन तक शुल्क लेकर प्रक्रिया को सरल बनाती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में विदेशी दुल्हनों की मांग लिंग अनुपात के असंतुलन से जुड़ी है। पहले भी लाओस, म्यांमार व वियतनाम की महिलाओं की चीन में तस्करी के मामले सामने आ चुके हैं।

# बांग्लादेश-भारत रिश्तों में तनाव के संकेत दिल्ली में तैनात बांग्लादेशी राजदूत को ढाका बुलाया गया

**ढाका।** भारत-बांग्लादेश रिश्तों में बढ़ते तनाव के बीच नई दिल्ली में तैनात बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हामिदुल्लाह को विदेश मंत्रालय ने आपात रूप से ढाका तलब किया है। दोनों देशों के संबंधों पर मंथन की संभावना है। भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में बढ़ते तनाव के संकेतों के बीच एक अहम कूटनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हामिदुल्लाह को विदेश मंत्रालय ने आपात आधार पर ढाका तलब किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह सोमवार देर रात ढाका पहुंच गए। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार प्रथम आलो ने विदेश मंत्रालय के एक जिम्मेदार सूत्र के हवाले से बताया कि भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों में हालिया घटनाक्रमों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, उच्चायुक्त को मौजूदा हालात पर विस्तृत चर्चा और परामर्श के लिए बुलाया गया है। सूत्रों के अनुसार, ढाका में होने वाली बातचीत में भारत-बांग्लादेश रिश्तों के मौजूदा हालात, भविष्य की रणनीति और आपसी सहयोग के रास्तों पर विचार किया जा सकता है। बांग्लादेश सरकार इस बात पर जोर दे रही है कि द्विपक्षीय संबंधों में किसी भी तरह की गलतफहमी को संवाद के जरिए सुलझाया जाए। रिश्तों में क्यों आई तल्खी? हाल के दिनों में भारत और बांग्लादेश के संबंधों को लेकर कई मुद्दों पर मतभेद उभरकर सामने आए हैं। हालांकि, आधिकारिक तौर पर किसी खास कारण का उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन कूटनीतिक हलकों में इसे दोनों देशों के बीच संवाद की जरूरत के रूप में देखा जा रहा है। भारत और बांग्लादेश के रिश्ते दक्षिण एशिया की राजनीति और सुरक्षा संतुलन के लिए बेहद अहम माने जाते हैं। ऐसे में राजदूत को अचानक तलब किया जाना यह संकेत देता है कि कूटनीतिक स्तर पर गंभीर मंथन चल रहा है। बांग्लादेश में हिंदू परिवार के पांच घर जलाए बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा थम नहीं रही है। राजधानी ढाका से 240 किलोमीटर दूर पिरोजपुर जिले में रविवार को एक हिंदू परिवार के पांच घरों में आग लगा दी गई। आगजनी से पहले उपद्रवियों ने घरों के दरवाजे बाहर से बंद कर दिए, जिसके चलते अंदर फंसे आठ लोगों ने टीन और बांस की बाड़ तोड़कर मुश्किल से जान बचाई। पुलिस ने मामले में अब तक पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, पीरोजपुर के डुमरिया गांव में हमलावरों ने पलाश कांति साहा को घर के अंदर बंद करके जिंदा जलाने की कोशिश की। हमलावरों ने कमरे में कपड़े भरकर आग लगा दी, जिससे आग तेजी से दूसरे घरों में फैल गई। इससे पलाश के साथ ही शिव साहा, दीपक साहा, श्यामलेंदु साहा और अशोक साहा के मकान जल गए। आग से घरों का फर्नीचर, नकदी, दस्तावेज जलकर राख हो गए। पालतू जानवर भी मर गए।

# कपड़ा फैक्टरी में तैनात सुरक्षाकर्मी को साथी ने गोली मारी

**ढाका।** बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार हिंसा की घटनाएं सामने आ रही है।

मंगलवार को भी एक हिंदू शख्स की गोली लगने से मौत हो गई। घटना एक कपड़ा फैक्टरी में हुई। जहां बजेंद्र बिस्वास गलती से चली गोली के शिकार हो गए। बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में एक कपड़ा फैक्टरी के भीतर सोमवार शाम एक 40 वर्षीय हिंदू मजदूर की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना सहकर्मी द्वारा कथित तौर पर गलती से चली गोली के कारण हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फैक्टरी परिसर में काम के दौरान हथियार से अचानक फायर हो गया, जिसकी चपेट में बजेंद्र बिस्वास आ गया। घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह घटना मयमनसिंह के भालुका उपजिला के मेहराबाड़ी इलाके में सोमवार, 29 दिसंबर की शाम करीब 6:45 बजे मेहराबारी इलाके में स्थित सुल्ताना स्वेटर्स लिमिटेड में हुई। पीड़ित बजेंद्र बिस्वास, फैक्टरी की सुरक्षा के लिए तैनात एक अंसार सदस्य थे। वह सिलहट सदर के कादिरपुर गांव के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि गोली मारने का आरोपी 22 साल का नोमान मियां को गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें कि इससे पहले मयमनसिंह जिले में ही दीपू चंद्र दास की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। बांग्लादेश में हाल ही अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। मजाक में तानी शॉट गन चली पुलिस के मुताबिक, बजेंद्र बिस्वास और नोमान मिया, दोनों फैक्टरी परिसर के भीतर बने अंसार बैरक में तैनात थे। चश्मदीदों के मुताबिक, उस समय फैक्टरी में करीब 20 अंसार कर्मी ड्यूटी पर थे। बताया जा रहा है कि बजेंद्र बिस्वास और नोमान मियां परिसर के अंदर एक साथ बैठे थे। बातचीत के दौरान, नोमान मियां ने कथित तौर पर मजाक में बिस्वास पर सरकारी शॉटगन तान दी। तभी अचानक से गोली चल गई। गोली बिस्वास की बाईं जांघ में लगी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और बहुत ज्यादा खून बहने लगा। इससे पहले शनिवार को राजबारी जिले में अमृत मंडल नाम के हिंदू शख्स को पीट-पीट कर मार डाला गया था। 18 दिसंबर को इसी भालुका इलाके में दीपू चंद्र दास नामक हिंदू युवक को कथित तौर पर पीट-पीटकर, निर्वस्त्र कर और जिंदा जलाकर मार डालने की घटना सामने आई थी।

## चुनाव से डेढ़ माह पहले खालिदा जिया का निधन क्या बेटे को मिलेगी सहानुभूति

**ढाका।** बांग्लादेश की राजनीति में एक युग का पटाक्षेप हो गया। आम चुनाव से डेढ़ माह पहले खालिदा जिया का निधन बीएनपी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। उनके निधन के बाद अब पार्टी का नेतृत्व उनके बेटे तारिक रहमान संभालेंगे। ऐसे में सवाल ये खड़ा हो रहा है कि जिया की नेतृत्व के बाद उनके समर्थक रहमान के साथ जाएंगे? क्या उन्हेंइस बार के चुनाव में जनता का समर्थन और सहानुभूति मिलेगी? बांग्लादेश में अगले साल फरवरी में आम चुनाव होने है। इससे पहले बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का निधन बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। बीएनपी की लंबे समय तक नेता रही खालिदा जिया ने पार्टी को मजबूती दी और देश की राजनीति में अपना दबदबा बनाए रखा। उनका निधन चुनाव से डेढ़ माह पहले हुआ है, जो बीएनपी के लिए चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा कर सकता है। हालांकि खालिदा जिया के बाद पार्टी में अब उनके बेटे तारिक रहमान का नेतृत्व है, जो कई वर्षों से लंदन में निर्वासन में थे। ऐसे में सवाल खड़ो हो रहा है कि क्या खालिदा जिया की मौत के बाद आने वाले चुनाव में तारिक रहमान को जनता की सहानुभूति मिलेगी? इस बात को अगर विशेषज्ञों के आधर से समझने की कोशिश करें तो कई विशेषज्ञों का मानना है कि इस चुनाव में खालिदा जिया के निधन के बाद उनके बेटे तारिक रहमान को जनता का समर्थन और सहानुभूति मिलने की संभावना तेज है। बैहरला बीएनपी को अपने पुराने समर्थकों को जोड़े रखना और चुनावी रणनीति को मजबूती देना होगा। पार्टी में अस्थिरता की भी संभावना हालांकि दूसरी ओर तारिक रहमान के लिए पार्टी का नेतृत्व संभालना इतना भी आसान नहीं रहने वाला है। इसका बड़ा कारण है कि हमें इस बात से को भी नजरंदाज नहीं करना चाहिए खालिदा जिया की लोकप्रियता और उनके योगदान के कारण उनकी पार्टी को जनता से सहानुभूति का लाभ तो मिल सकता है, लेकिन नेता के निधन से पार्टी को संगठन और नेतृत्व में अस्थिरता का भी सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में बीएनपी का भविष्य अब तारिक रहमान और अन्य वरिष्ठ नेताओं की रणनीति पर निर्भर करेगा। चुनाव से पहले यह स्पष्ट नहीं है कि पार्टी कितनी ताकतवर वापसी कर पाएगी, लेकिन खालिदा जिया की विरासत पार्टी के लिए प्रेरणा और मजबूती का काम करेगी। बांग्लादेश की राजनीति में मजबूत नाम थीं खालिदा जिया बता दें कि बांग्लादेश की राजनीति में खालिदा जिया एक अहम और लंबी समय तक प्रभावशाली किरदार रही हैं। वह बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री और मुस्लिम दुनिया की दूसरी महिला प्रधानमंत्री थीं। खालिदा जिया ने लगभग चार दशक तक अपने अभिप्रतिद्वंद्वी शेख हसीना के साथ देश की राजनीति में राज किया। इतना ही नहीं जिया बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की लंबे समय तक अध्यक्ष रहीं और तीन बार प्रधानमंत्री बनीं। उनका राजनीतिक सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा। उन्होंने देश में सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र को बहाल करने में अहम भूमिका निभाई। उनके समर्थक उन्हें इस वजह से भी सराहते हैं। राजनीति में कैसे हुई इंट्री, पहले ये समझिए खालिदा जिया का राजनीति में आने का रास्ता बहुत योजनाबद्ध नहीं था। 35 साल की उम्र में अपने पति, राष्ट्रपति और पूर्व सेना अधिकारी जियाउर रहमान की हत्या के बाद वह राजनीति में आईं।

पूर्वोत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र

"ई—निविदा सूचना सं० : DYCE-CON-LJN-PMS-07-2025 जिसकी टेण्डर क्लोजिंग दिनांक: 30.12.2025 को 11:00 बजे थी, वह अब दिनांक 05.01.2026 को 11:00 बजे होगी साथ ही Reply of 1st Pre Bid Meeting एवं Corrected EPC Document को भी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। इस सूचना का शुद्धिपत्र http://ireps.gov.in वेबसाइट पर भी लोड कर दिया गया है।"

उप मुख्य इन्जीनियर/ निर्माण—1/ लखनऊ

मुजाधि/डब्ल्यू – 392

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

# बांग्लादेश में तीन दिन का शोक कल सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा खालिदा जिया का पार्थिव शरीर

**ढाका।** बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन के बाद देश में शोक का माहौल है। ऐसे में अंतरिम सरकार ने घोषणा की है कि कल यानी बुधवार को खालिदा जिया के पार्थिव शरीर को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। साथ ही सरकार ने जिया के सम्मान में तीन दिन का राजकीय शोक और बुधवार को एक दिन की सामान्य छुट्टी घोषित की है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की प्रमुख बेगम खालिदा जिया का मंगलवार को 80 वर्ष की उम्र में ढाका में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन के बाद से देशभर में शोक का माहौल है। इसी बीच बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने बताया कि खालिदा जिया को अंतिम विदाई बुधवार को दी जाएगी और उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनके पति बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति और बीएनपी के संस्थापक जियाउर रहमान के बगल में दफनाया जाएगा। बता दें कि खालिदा जिया बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकी थीं। देश की राजनीति में उनके अतुल्य योगदान को देखते हुए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने तीन दिनों के लिए राजकीय शोक और एक दिन की छुट्टी का एलान किया है। इस बात की घोषणा अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने की। उन्होंने मंगलवार को कहा कि खालिदा जिया का पार्थिव शरीर कल यानी बुधवार को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने देश में तीन दिन का राजकीय शोक और एक दिन की छुट्टी का भी एलान किया है। अंतिम नमाज और दफन कानून सलाहकार आसिफ नजरुल के अनुसार, खालिदा जिया की नमाज-ए-जनाजा (अंतिम नमाज) बुधवार को जोहर की नमाज के बाद संसद भवन के साउथ प्लाजा और मणिक मिया एवेन्यू में होगी। इसके बाद उन्हें ढाका के शेर-ए-बांग्ला नगर स्थित जिया उद्यान में उनके पति की कब्र के पास दफन किया जाएगा। इस संबंध में अंतरिम सरकार की सलाहकार परिषद की एक विशेष बैठक हुई, जिसमें बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर भी विशेष आमंत्रित के रूप में शामिल हुए। झंडा आधा झुका रहेगा बीबीसी बांग्ला के अनुसार, शोक अवधि के दौरान सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी और स्वायत्त संस्थानों शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी और निजी इमारतों और विदेशों में बांग्लादेश के मिशनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। इतना ही नहीं बुधवार को खालिदा जिया के सम्मान में देशभर की मस्जिदों में विशेष दुआएं होंगी। साथ ही अन्य धर्मों के पूजा स्थलों पर भी प्रार्थनाएं आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा, विदेशों में बांग्लादेशी दूतावासों में शोक पुस्तिकाएं खोली जाएंगी। यूनुस ने देशवासियों से की शांति बनाए रखने की अपील राष्ट्र के नाम दिए गए टीवी संबोधन में मोहम्मद यूनुस ने अपील की है कि अंतिम विदाई और शोक के दौरान शांति, अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखें। उन्होंने कहा कि यह समय धैर्य रखने का है। इस दौरान उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सभी लोगों को प्रशासन का सहयोग करना चाहिए। कल देशभर में होगी सामान्य छुट्टी- यूनुस यूनुस ने अपने संबोधन में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के निधन पर मैं तीन दिन का राजकीय शोक घोषित करता हूं। उनके जनाजे के दिन यानी बुधवार को देशभर में एक दिन की सामान्य छुट्टी रहेगी। यूनुस ने कहा कि वह जानते हैं कि पूरा देश इस समय दुखी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि शोक की इस घड़ी में संयम बनाए रखें और अंतिम विदाई से जुड़ी सभी औपचारिकताओं को शांतिपूर्ण ढंग से पूरा होने दें। बीएनपी ने घोषित किया सात दिन का राष्ट्रीय शोक हालांकि इससे पहले बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) पार्टी ने मंगलवार 30 दिसंबर 2025 से सात दिन का आधिकारिक शोक घोषित किया है। मामले में बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिजवी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में शोक कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। इसके तहत पार्टी का केंद्रीय कार्यालय नयापालटन और पूरे देश में सभी पार्टी कार्यालयों पर काले झंडे लहराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पार्टी के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक स्मृति चिन्ह के रूप में काले बैज पहनेंगे। इसके अलावा पार्टी कार्यालयों और अन्य स्थानों पर दुआ महफिल और कुरान पाठ आयोजित किए जाएंगे। सदस्यों और जनता को सम्मान व्यक्त करने का अवसर देने के लिए बीएनपी के केंद्रीय कार्यालय, ढाका में गुलशन कार्यालय और जिला कार्यालयों में संवेदना पुस्तिकाएं खोली गई हैं। खालिदा जिया, बांग्लादेश की राजनीति की मजबूत महिला गौरतलब है कि बांग्लादेश की राजनीति में मंगलवार को एक युग का पटाक्षेप हो गया। संघर्ष, सत्ता और साहस की प्रतीक रहीं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी की अध्यक्ष खालिदा जिया का 80 साल की उम्र में निधन हो गया। बीएनपी पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी। पार्टी ने लिखा कि बांग्लादेश की अनुभवी नेता का कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझने के बाद निधन हो गया।

## सऊदी अरब ने यमन के मुकल्ला में की बमबारी वअए से आए हथियारों की खेप को बनाया निशाना

**रियाद।** सऊदी अरब ने यमन के बंदरगाह शहर मुकल्ला पर बमबारी की है। ये बमबारी यूएई से आए हथियारों को रोकने के लिए अलगाववादी एसटीसी समूह को निशाना बनाकर किया गया है। सऊदी अरब ने इसे सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए जरूरी बताया है। सऊदी अरब ने यमन के महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर मुकल्ला पर बमबारी की है। सऊदी अरब का कहना है कि यह हमला इसलिए किया गया क्योंकि वहां अलगाववादी समूह साउदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीएस) के लिए हथियार पहुंचाए जा रहे थे, जो यूएई से आए थे। यमन में अलगाववादी समूह और सरकार के बीच लंबे समय से संघर्ष चल रहा है। सऊदी अरब और उसके सहयोगी अक्सर यमन में अलगाववादी या विद्रोही समूहों पर हमले करते रहे हैं। ऐसे में सऊदी अरब ने इस हमले का मकसद यह बताया गया है कि हथियारों की सप्लाई रोककर यमन में शांति बनाए रखना और अलगाववादी ताकतों को कमजोर करना। इस बमबारी को लेकर सऊदी प्रेस एजेंसी ने कहा कि जहाज यूएई के फुजैरा बंदरगाह से मुकल्ला पहुंचा था। खतरे और सुरक्षा पर असर के कारण, सऊदी सेना ने सीमित और सटीक हवाई हमले किए। बयान में इस बात पर भी जोर दिया गया कि हमले को रात में किया गया ताकि कोई आम लोगों को नुकसान न पहुंचे। सऊदी अरब और यूएई के रिश्तों में दबाव बढ़ा इस हमले से सऊदी अरब और यूएई के बीच रिश्तों पर दबाव बढ़ गया है। दोनों देश यमन में अलग-अलग समूहों का समर्थन कर रहे हैं और उनके बीच आपस में ही प्रतिस्पर्धा चल रही है। बता दें कि मुकल्ला यमन के हद्रामाउट प्रांत में है और यह आदेन से लगभग 480 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। हाल ही में अलगाववादी समूह ने इस इलाके पर नियंत्रण कर लिया है। मीडिया रिपोर्टस में इस बात का भी दावा किया गया कि इससे पहले सऊदी अरब ने शुक्रवार को इसी समूह पर हवाई हमले किए थे, ताकि वे प्रांतों से अपने सैनिक पीछे हटाएं। वहीं दूसरी ओर अलगाववादी समूह ने दक्षिण यमन का झंडा फहराना शुरू कर दिया है।

## नए साल पर तुर्किये को दहलाने की साजिश पुलिस ने छापेमारी कर आईएस के 100 से ज्यादा संदिग्ध आतंकी पकड़े

**अंकारा।** तुर्किये की सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 100 से ज्यादा संदिग्ध आतंकियों को हिरासत में लिया है। ये कार्रवाई यालोवा इलाके में हुई मुठभेड़ के बाद हुई है, जिसमें तुर्किये पुलिस के तीन अधिकारी और आईएस के छह आतंकी मारे गए थे। तुर्किये पुलिस ने मंगलवार को राजधानी अंकारा और इस्तांबुल में बड़ा छापेमारी अभियान चलाकर खूंखार आतंकी सगंठन इस्लामिक स्टेट के 100 से ज्यादा संदिग्ध आतंकियों को हिरासत में लिया है। गौरतलब है कि तुर्किये के सुरक्षाबलों को सूचना मिली है कि आईएस के आतंकी नए साल के जश्न के मौके पर तुर्किये को दहलाने की साजिश रच रहे हैं। यही वजह है कि तुर्किये की सरकार और सुरक्षाबल चौंकन्ने हैं और आतंक के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। यालोवा में मुठभेड़ के एक दिन बाद हुई छापेमारी की कार्रवाई यह छापेमारी की कार्रवाई तुर्किये के उत्तर पश्चिमी प्रांत में एक दिन पहले हुई मुठभेड़ के बाद हुई है, जिसमें तुर्किये पुलिस के तीन अधिकारी और इस्लामिक स्टेट के छह आतंकी मारे गए थे। यह मुठभेड़ उस वक्त हुआ, जब पुलिस ने एक घर में आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर छापा मारा। इस दौरान हुई मुठभेड़ में आठ अन्य पुलिस अधिकारी और एक नाइट गार्ड भी घायल हुए हैं। दरअसल तुर्किये सरकार को आईएस आतंकियों द्वारा क्रिसमस और नए साल के जश्न को निशाना बनाने की रिपोर्ट्स मिलीं थी, जिसके बाद तुर्किये की सरकार ने आईएस के खिलाफ कई ऑपरेशन शुरू किए हैं। तुर्किये पुलिस ने कई ठिकानों पर एक साथ की छापेमारी इस्तांबुल के मुख्य अभियोजक कार्यालय ने बताया कि मंगलवार को पुलिस ने इस्तांबुल और दो अन्य प्रांतों में 114 ठिकानों पर एक साथ छापे मारे और 110 संदिग्धों को हिरासत में लिया। इसमें कहा गया है कि कुछ लोग उन आतंकवादियों से जुड़े थे जिन्होंने यालोवा में पुलिस पर गोलियां चलाई थीं, जबकि अन्य पर नए साल के आसपास संभावित हमलों की साजिश रचने का संदेह था।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।